वर्षः 7- अंकः 145, मुंबई, शनिवार, 29 जुलाई, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स मतलब श्री 420

जानू भोयेनगर के लोगों को दिया धोखा, उनके लिए

घर एक सपना

मुख्यमंत्री, गृहनिर्माण मंत्री व विधायक से की फरियाद

मुंबई। इस महानगर में बिल्डर्स और डेवलपर्स द्वारा पुनर्वसन योजना के जरिये लोगो के स्थायी और वस्ताविक घर को हडप जाने की कहानी कोई नई नहीं है। इनके झांसे और इनकी धोखाधडी के कारण कई लोगों को अपना घर का सपना, सपना ही रह गया और गई लोगों ने आत्महत्याएं तक कर लीं। कुछ ऐसा ही वाकया मालाड पूर्व में कुरार विलेज स्थित जानू भोयेनगर का है, जहां जानू भोयेनगर सहकारी गृह संस्था के 94 निवासी ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स की धोखाधड़ी के कारण आज खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। (शेष पृष्ठ 5 पर)

नतीजा जीरो

ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स की जालसाजी से जुडे किस्से पढ़ें कल के अंक में।

शुध्द घी में बना
केसरीया मलाई
घेवर
MM MITHAIWALA
MALAD (W),TEL.: 288 99 501

नवाज शरीफ का इस्तीफा

भाई शहबाज होंगे प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद। पनामा पेपर्स मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद नवाज शरीफ की कुर्सी चली गई है। नवाज शरीफ के पाकिस्तानी प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद अब उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ देश के अगले पीएम होंगे। (शेष पृष्ठ 5 पर)

गुजरात में डूब रही कांग्रेस की नाव

अब तक 7 विधायकों का इस्तीफा

अहमदाबाद। गुजरात कांग्रेस में नाराज विधायकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। शुक्रवार को चार और विधायकों ने पार्टी और विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया। इस तरह पिछले दो दिनों में कांग्रेस छोड़ने वाले विधायकों की संख्या सात हो गई है। इसके अलावा एक दर्जन और विधायक पार्टी छोड़ने की तैयारी में हैं। शुक्रवार को कांग्रेस विधायक रामसिंह परमार, मानसिंह चौहान, सीके रावलजी और छनाभाई चौधरी ने विधानसभा अध्यक्ष रमण भाई वोरा को अपना इस्तीफा सौंप दिया। प्रदेश कांग्रेस में बढ़ते असंतोष का फायदा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह बखूबी उठा रहे हैं। राज्यसभा चुनाव में उनकी और स्मृति ईरानी की जीत तय है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

ड्राइवर का खुलासा

इंद्राणी ने दबाया शीना का गला, फेस पर बैठ ली जान

(समाचार पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

40 से ज्यादा महिलाओं से छेड़छाड़ करने वाला गिरफ्तार

मुंबई, पाली हिल, माउंट मेरी, बैंड स्टैंड सबसे पॉश इलाकों में तो गिने ही जाते हैं, मुंबई की सबसे सुरक्षित जगहों में भी इनकी गिनती होती है। पर पिछले करीब एक महीने से 28 साल के जिब्रान सैयद ने इन इलाकों में लड़कियों के बीच ऐसी दहशत फैला रखी थी कि उन्होंने मॉर्निंग वॉक करना बंद कर दिया था। जिब्रान को गुरुवार को खार-दांडा से गिरफ्तार किया गया है।

पिछले एक महीने में 28 साल के इस आरोपी ने करीब 40 लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की। उसकी इस इलाके में दहशत इतनी बढ़ गई कि कई परिवार वालों ने सीधे पुलिस कमिश्नर दत्तात्रय पडसलगीकर से संपर्क किया। इसी के बाद तीन दिन पहले बांद्रा क्राइम ब्रांच ने इस केस की जांच शुरू की।

सीनियर इंस्पेक्टर महेश देसाई और इंस्पेक्टर

नितिन पाटील की टीम ने वारदात स्थलों के पिछले करीब एक महीने के सीसीटीवी फुटेज देखे। उसमें एक बात नोट की कि आरोपी ऐक्टिवा की नई 4 जी मोटर बाइक पर आता है। सीसीटीवी में यह भी दिख रहा था कि बाइक का कलर चॉकलेटी है और उसमें आगे की नंबर प्लेट पर कोई नंबर नहीं, सिर्फ दो लाइटें चमकती थीं। इसके बाद आरटीओ की मदद से करीब ढाई हजार 4 जी बाइक की डिटेल निकाली गई। इनमें फिर 900 चॉक लेटी कलर की 4 जी ऐक्टिवा मोटर बाइक धारकों के घर के अड्रेस व मोबाइल नंबर पता किए गए।

उसी में गुरुवार को जिब्रान सैय्यद का लोकेशन बांद्रा में कार्टर रोड का दिखा। फौरन क्राइम ब्रांच की टीम वहां पहुंची। उन्हें वहां चॉकलेटी कलर की बाइक पर आरोपी दिखा भी, लेकिन जब तक अधिकारी उस तक पहुंचते, वह वहां से भाग लिया। बाद में उसे खार दंडा से पकड़ा गया। उसके पास जब्त बाइक में आगे की तरफ नंबर प्लेट पर बाइक का वाकई रजिस्टर्ड नंबर नहीं था।

घाटकोपर हादसा
सरकार देगी अस्थायी मकान

मुंबई, घाटकोपर हादसे से प्रभावित लोगों के परिजनों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से विधानभवन में मुलाकात की। मुलाकात के दौरान प्रभावित लोगों ने मुख्यमंत्री से शिकायत की कि उन्हें धमकियां मिल रही हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। गौरतलब कि मंगलवार को घाटकोपर के दामोदर पार्क में साई दर्शन नामक इमारत गिर गई थी जिससें 17 मरे और 14 घायल हो गए। इस घटना को लेकर बुधवार को महाराष्ट्र के दोनों सदनों में लंबी चर्चा हुई, जिसमें मुख्यमंत्री ने सदन में कई तरह की घोषणाएं की, लेकिन किसी पर कोई कार्रवाई की घोषणा नहीं की जिसे लेकर लोग नाराज है। गुरुवार को प्रभावित लोगों के परिजनों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर समस्याएं रखीं। उन लोगों ने मुख्यमंत्री से उनके रहने की उचित व्यवस्था, रीडिवेलपमेंट और कानून सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने उनकी सभी मांगें मान ली हैं। मुख्यमंत्री ने उन लोगों से वादा किया कि दो दिन के अंदर उनके रहने के लिए अस्थायी घर की व्यवस्था कर देंगे। रही बात उनकी गिरी बिल्डिंग के पुनर्निर्माण की, तो उसके बारे में 8-10 दिनों के भीतर बीएमसी कमिश्नर से बात कर निर्णय लेंगे। मुख्यमंत्री ने प्रभावित लोगों से वादा किया कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

हर साल होती है 30 हजार महिलाओं की तस्करी

मुंबई, भारत से हर साल करीब 30,000 महिलाओं की तस्करी होती है। इनमें सबसे ज्यादा महिलाएं पश्चिम बंगाल और उसके बाद मुंबई से तस्करी करके बाहर भेजी जाती हैं।

ये आंकड़े मुंबई में गुरुवार से शुरू हुए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सामने आए हैं। सम्मेलन में दुनिया भर में मानव तस्करी की समस्या और उस पर काबू पाने पर विचार किया जाएगा। इसमें 25 देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। सम्मेलन का आयोजन महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग ने कुछ अन्य संगठनों के साथ मिलकर किया है। आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर के अनुसार अकेले मुंबई से करीब 10,000 महिलाओं को हर साल तस्करी करके बाहर भेजा जाता है। ये महिलाएं देश के विभिन्न हिस्सों से लाई जाती हैं। मुंबई, पश्चिम बंगाल या असम के रास्ते विदेश भेजी जाने वाली महिलाओं में नेपाल, बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार से लाई गई महिलाएं और 18 वर्ष

से कम की बच्चियां भी शामिल होती हैं। घाना जैसे देशों में इनका उपयोग खेतिहर मजदूरों के रूप में और अरब देशों में घरेलू नौकरानियों एवं देहव्यापार के लिए किया जाता है। नेपाल, भूटान और पश्चिम बंगाल से तस्करी करके लाई जानेवाली लड़कियों और महिलाओं को उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के रास्ते मुंबई और कोलकाता भेजा जाता है। राहटकर के अनुसार तस्करी से छुड़ाई गई महिलाओं और लड़कियों के पुनर्वास के उपायों पर भी विचार किया जा रहा है। अतीत में ऐसी कई महिलाओं का पुनर्वास हुआ भी है। ऐसी एक लड़की एयर होस्टेस बन चुकी है, तो चेन्नई में एक महिला ग्राम पंचायत सदस्य है। कुछ महिलाएं आज बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी कर रही हैं।

कस्टडी से भागने के लिए प्रेमिका और पत्नी को बनाया जरिया

मुंबई, यूपी एसटीएफ ने मुंबई के एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो दो बार पुलिस कस्टडी में भाग गया था। दोनों ही बार उसने फरारी के लिए अपनी प्रेमिका और पत्नी को जरिया बनाया। हनुमंत पाटील नामक इस आरोपी की मुंबई पुलिस को पिछले पांच महीने से तलाश थी। वह 11 फरवरी को उपचार के दौरान जे.जे अस्पताल की खिड़की से कूद कर भाग गया था। एक टिप के बाद उसे आईजी एस. आनंद, उपाधीक्षक पी.के मिश्र और इंस्पेक्टर शैलेश प्रताप सिंह की टीम ने वाराणसी के शिवपुर इलाके से बुधवार को पकड़ा। उसे मुंबई पुलिस को सौंपा जा रहा है। हनुमंत के बारे में पता चला है कि उसने मुंबई में करीब दस साल तक प्रॉपटी डीलिंग का काम किया। फरवरी, 2013 में उसका सिडको अधिकारी अतुल म्हात्रे से झगड़ा हो गया। इसमें उसने अपने तीन साथियों के साथ उसकी हत्या कर दी। इसमें वह गिरफ्तार हुआ और जेल में बंद हुआ। जेल कस्टडी के दौरान उसने महसूस किया कि उसकी काफी रकम देनदारों के पास रह गई है। उसे यह रकम वसूलनी थी। उसने जेल में रहते हुए इस रकम को वापस पाने का काफी प्रयास किया, लेकिन जब वह कामयाब नहीं हुआ, तो मार्च, 2013 में वह बीमारी के बहाने वाशी के मनपा अस्पताल में भर्ती हुआ और अपनी एक प्रेमिका की मदद से वहां से भाग गया। लेकिन फरारी के डेढ़ महीने बाद उसे फिर गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उसने देनदारों से बकाया धनराशि वसूलने के लिए फिर कई बार भागने की साजिश रची। कोर्ट के आदेश पर वह नियमित चेकअप के लिए जे.जे अस्पताल जाया करता था। गत 11 फरवरी को जब वह जे.जे अस्पताल गया, तो उसने अपनी पत्नी को दस लाख रुपये के साथ मिलने के लिए पहले ही बुला लिया था। उसने पत्नी से यह रकम ली और कुछ ही मिनट बाद हिरासत से भाग गया। उसने दो शादियां की हैं। उसकी एक पत्नी दहिसर में, जबकि दूसरी नंदुरबार में रहती है। मुंबई से फरारी के बाद वह वाराणसी के रास्ते बिहार में अपने दोस्त बब्बन पटेल के घर गया। उससे उसकी दोस्ती मुंबई की जेल में ही हुई थी। बब्बन के जरिए उसने अवैध हथियार खरीदे और फिर इन्हें लेकर यूपी में नैनी में किराए के घर में रहने लगा। बाद में उसने यह घर बदल दिया। इस बीच उसने उसने एक पुरानी गाड़ी भी खरीदी। इस गााड़ी में बैठकर जब वह बुधवार को वाराणसी के शिवपुर में किराए का घर ढूंढने गया था, तभी गिरफ्तार कर लिया गया।

एक से ज्यादा आवास बुक कराने वाले को उपभोक्ता नहीं कहा जा सकता

मुंबई, महाराष्ट्र राज्य के उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग की अध्यक्षीय न्यायिक सदस्य उषा ठक्कर और न्यायिक सदस्य पीबी जोशी ने एक महत्वपूर्ण निर्णय दिया है जिससे भविष्य में उपभोक्ता विवादों को निपटाने में बड़ी मदद मिल सकेगी। इन दोनों न्यायिक सदस्यों का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति ने एक से ज्यादा आवास बुक कराए हैं और बाद में कोई विवाद होता है तो उसे 'उपभोक्ता' नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि एक से ज्यादा आवास बुक कराना इन्वेस्टमेंट या कमर्शल माना जा सकता है। डॉक्टर दंपती डॉ. बृंदा महेश अय्यर और डॉ. महेश शिवरामन अय्यर ने यह शिकायत बिल्डर आकाश बिल्डर्स ऐंड डिवेलपर्स के विरुद्ध दायर की है। जहां डॉ. बृंदा ने दो फ्लैट अपने नाम से और एक फ्लैट संयुक्त नाम से बुक कराया। वहीं डॉ. महेश ने दो फ्लैट अपने नाम से और एक फ्लैट संयुक्त नाम से बुक कराया। कुल भुगतान राशि करीब 50 लाख रुपये थी। बाद में डा. दंपती को बिल्डर की सर्विस में कमी लगी और वे उसकी अनुचित व्यापार प्रणाली से असंतुष्ट रहे। उन दोनों ने इस आयोग में मामला दायर कर दिया। लेकिन बिल्डर के वकीलों का कहना था कि ये दोनों उपभोक्ता संरक्षण कानून, 1986 के तहत 'उपभोक्ता' हैं ही नहीं, इसलिए वे इस कानून का सहारा नहीं ले सकते। उनका कहना था कि ये फ्लैट उन्होंने अपने रहने के लिए नहीं बल्कि एक और अस्पताल खोलने के लिए खरीदे हैं। अर्थात 'कमर्शल' उद्देश्य निहित है, जबकि डॉक्टर दंपती का कहना था कि उनका परिवार बड़ा है इसलिए उन्हें एक से ज्यादा फ्लैट चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रिलीज के साथ शुरू हुआ 'इंदु सरकार' का विरोध, ठाणे में रद्द किया गया शो

मुंबई। मधुर भंडारकार की फिल्म 'इंदु सरकार' शुक्रवार को रिलीज हुई। पहले से इसकी रिलीज का विरोध करार रहे कांग्रेसी कार्यकताओं ने आज सुबह ठाणे के एक मल्टीप्लेक्स में पहुंच प्रदर्शन किया और फिल्म का शो रद्द करवा दिया।

ठाणे की तरह ही नासिक और जलगांव में भी फिल्म का विरोध हुआ है। बता दें कि गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस फिल्म की रिलीज रोकने के लिए दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया था। ठाणे के कोरम माल के आइनेक्स थियेटर में 100 से अधिक कांग्रेसी कार्यकर्ता हाथों में झंडे और बैनर लेकर पहुंचे और हंगामा करने लगे। प्रदर्शनकारी हॉल के अंदर भी पहुंचे और वहां बैठे दर्शकों को वहां से भगा दिया।

कांग्रेसी कार्यकताओं के रुख को देखते हुए तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी गई और फिल्म का पहला शो रद्द कर दिया गया। फिलहाल सिनेमा हॉल के बाहर भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

इसका विरोध करने पहुंचे कांग्रेसी कार्यकताओं का कहना है कि, सेंसरबोर्ड ने मधुर भंडारकर को फिल्म में 17 जगह कैंची चलाने के लिए कहा था लेकिन उन्होंने ने बिना एडिट फिल्म रिलीज की।

कोर्ट ने इस लिए नहीं लगाई फिल्म के प्रदर्शन पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को संजय गांधी की बेटी होने का दावा करने वाली प्रिया सिंह पॉल की पिटीशन को खारिज कर दिया। प्रिया ने कोर्ट से मांग की थी कि डायरेक्टर ने फिल्म में मनगढ़ंत फैक्ट दिखाए हैं, जो उनके लिए अपमानजनक हैं। इसलिए फिल्म पर रोक लगाई जाए। कोर्ट ने कहा, "फिल्म में आर्टिस्टिक एक्सप्रेशन नजर आता है, जो कानून के दायरे में है। इसलिए रिलीज पर रोक लगाने का कोई आधार नहीं।" बता दें कि यह फिल्म इंदिरा गांधी के पीएम रहते देश में 1975 में लगाई गई इमरजेंसी पर बनाई गई है।

असलियत वाला हिस्सा हटाने की मांग

प्रिया ने 21 जुलाई को बॉम्बे होईकोर्ट में पिटीशन दायर की। उन्होंने कोर्ट से भंडारकर को यह बताने का निर्देश देने को कहा है कि फिल्म में असलियत क्या है और फिल्म की कहानी क्या है। जब तक भंडारकर इससे असलियत वाला हिस्सा नहीं हटाते, रिलीज की इजाजत नहीं मिले। हालांकि, भंडारकर कह चुके हैं- "फिल्म इसलिए बनाई गई है ताकि आज की युवा पीढ़ी इमरजेंसी के बारे में जान सके। इसका सिर्फ 30% हिस्सा ही असलियत पर आधारित है, बाकी फिक्शन (काल्पनिक) है। इसमें डिस्क्लेमर भी दिया जाएगा।" इंदु सरकार के विरोध के चलते महाराष्ट्र की बीजेपी सरकार ने भंडारकर को सिक्युरिटी मुहैया कराई है। सेंसर बोर्ड में इसमें 14 कट लगाकर रिलीज की इजाजत दी है। इसमें नील नितिन मुकेश और कीर्ति कुलहारी लीड रोल में हैं।

भंडारकर को भेजा था नोटिस

प्रिया ने इंदु सरकार फिल्म के लिए हाल ही में मधुर भंडारकर को नोटिस भी भेजा था। उनका कहना था कि इस फिल्म में उनके पिता संजय गांधी को सही ढंग से नहीं दिखाया गया है। इसलिए उन्हें खुलकर आगे आना पड़ा। बता दें कि संजय गांधी की 1980 में प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी।

फिल्म को लेकर कांग्रेस ने क्या कहा?

इंदु सरकार को लेकर कांग्रेस नेताओं ने विरोध तेज कर दिया है। रविवार को सीनियर लीडर वीरप्पा मोइली ने कहा, "फिल्म से कांग्रेसियों की भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। इसमें वही है जो मौजूदा प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) चाहते हैं। इससे उन्हें भी दुख होगा।" "ऐसी कोशिशें बीजेपी को बाहर का रास्ता दिखाएंगी। अगर उन्होंने आगे भी ऐसा ही किया तो बीजेपी के बाहर जाने के और रास्ते खुलते जाएंगे। कई लोगों ने यह सोच बना ली है कि कांग्रेस, बीजेपी के सामने विरोध दर्ज नहीं करा सकती है।" ज्योतिरादित्य सिंधिया भी कह चुके हैं- "फिल्म पूरी तरह से स्पॉन्सर्ड है। हम जानते हैं कि कौन लोग- संगठन इसके पीछे हैं। कांग्रेस फिल्म में झूठ दिखाने की निंदा करती है।" कांग्रेस का आरोप है कि डायरेक्टर ने फिल्म में पार्टी नेता इंदिरा गांधी और संजय गांधी के कैरेक्टर दिखाए हैं। इससे पार्टी वर्कर्स में नाराजगी है।

गार्डन को फेरीवाला मुक्त कराने की मांग !

मुंबई। चेंबूर मनपा एम विभाग के अधीन आने वाले प्रभाग 151 के परिछेत्र के गंगामाता गार्डन को यहाँ के फेरीवालों ने पूरी तरह कब्जा कर लिया है। जिसे मुक्त कराने की मांग यहाँ के प्रबुद्ध नागरिक,बुद्धजीवियों व आम जनता ने की है।जिसकी लिखित शिकायत श्री रविदास कामगार यूनियन के अध्यक्ष ने ओमप्रकाश बालोटिया ने की है।

गौरतलब है की ठक्कर बाप्पा कॉलोनी में गंगामाता उद्यान का गत दिनों लाखो रुपए खर्च कर सुशोभिकरण किया गया था। आजकल उक्त गार्डन के चारो तरफ स्थानीय फेरी वालों ने धीरे-धीरे कब्जा कर लिया है। पहले केवल यहाँ महाराष्ट्र शासन का अधिकृत एनर्जी केंद्र ही था। जबकि आज वड़ा पांव, चायनीज भेल, फूल वाले,पान शॉप वाले,चप्पल दूकान व रबर शीट वालों ने अपना कब्जा जमा लिया है। जिसके चलते यहाँ जिसके चलते अराजक तत्वों की महफिल सजती है। छात्राओ महिलाओ के साथ अभद्र टीका टिप्पणी व छेड़छाड़ की जाती है। ओमप्रकाश बालोटिया ने बताया की मनपा को शिकायत करो तो मनपा वाले अपनी वसूली करते हैं। कार्यवाई के पहले फेरीवालों को सूचित करने का काम बालू घाड़गे नामक वसूली बाज करता है। स्थानीय लोगो का कहना है की कुछ राज नेताओ का उन फेरी वालो को संरक्षण है। जब की इस मामले में भाजपा नगर सेवक राजेश फुलवारिया का कहना है की मैंने खुद फेरीवालों को हटाने की मांग को लेकर शिकायत की है। मनपा के सहायक आयुक्त को लेटर भी दिया है।

शिवसेना द्वारा विद्यार्थी गुणगौरव उत्सव आज

मुंबई। मालाड पूर्व में वॉर्ड क्रमांक-43 स्थित त्रिवेणी नगर के नर्मदा हॉल में शिवसेना द्वारा विद्यार्थी गुणगौरव उत्सव व ज्येष्ठ नागरिकों का सम्मान आज किया जायेगा। इस कार्यक्रम के आयोजक व शाखा प्रमुख कृष्णा देसाई ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थियों के उत्साह को बढाने के लिए हर वर्ष इस तरह के कार्यक्रम को चलाया जाता है। साथ ही ज्येष्ठ नागरिकों का भी सम्मान किया जाता है। इस कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि सांसद गजानन कीर्तिकर और विधायक सुनिल प्रभु हैं। इस कार्यक्रम में उपविभाग प्रमुख विष्णु सावंत, नगरसेवक सुहास वाडकर, पूर्व नगरसेवक भौम सिंह राठौड और अनघा ताई साढकर मुख्य रूप से सम्मलित होंगे। यह कार्यक्रम शाम 6 बजे संपन्न होगा।

मीरा-भायंदर में शिवसेना का परचम लहरायेगा: प्रताप सरनाईक

जितेंद्र शर्मा/मीरा-भायंदर। 'मीरा-भायंदर महानगरपालिका चुनाव में शिवसेना प्रचंड बहुमत से जीतेगी और यहां शिवसेना का परचम लहरायेगा' ऐसा कहना है मीरा-भायंदर के शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक का।

श्री सरनाईक ने यह भी कहा कि मीरा-भायंदर की प्रख्यात हस्ती गिल्बर्ट मेंडोसा के शिवसेना में आने से हमारी पार्टी और भी मजबूत हो गई है और चुनाव में बडी जीत के लिए उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उल्लेखनीय है कि प्रताप सरनाईक मीरा-भायंदर के सम्मानीय और लोकप्रिय नेता हैं। पार्टी पर उनका पूरा वर्चस्व है। क्षेत्र की जनता में उनकी पूरी पकड़ है। अब तो उनकी दूसरी पीढी ने भी राजनीति में कदम रख दिया है जिसे लोगों का जबर्दस्त समर्थन प्राप्त है।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हाथ मलती कांग्रेस

नीतीश कुमार के महागठबंधन से अलग होकर भाजपा से मिलकर सरकार बनाने के बाद राजद के साथ-साथ कांग्रेस की ओर से उन्हें कोसने पर हैरानी नहीं। हैरानी इस पर है कि उन्होंने महागठबंधन को बचाने के लिए समय रहते कोई ठोस पहल क्यों नहीं की? यदि भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे तेजस्वी यादव इस्तीफा दे देते तो नीतीश कुमार के अलग होने का आधार ही खत्म हो जाता और इस तरह फिलहाल तो महागठबंधन बचा ही रहता। समझना कठिन है कि एक समय सजायाफ्ता नेताओं को राहत देने के वाले अध्यादेश को फाड़ने वाले राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को इस्तीफा देने की सलाह देना जरूरी क्यों नहीं समझा? नीतीश के महागठबंधन से अलग हो जाने के बाद राहुल का यह कहना विचित्र है कि उन्हें तीन-चार माह पहले ही यह आभास हो गया था कि वह भाजपा से हाथ मिलाने की तैयारी कर रहे हैं। यदि ऐसा है तो फिर वह उन्हें साथ लेकर विपक्षी एकता का खाका क्यों खींचने में लगे हुए थे? सवाल यह भी है कि क्या वह इससे अवगत नहीं थे कि नीतीश ने तेजस्वी यादव के मसले पर एक तरह से अल्टीमेटम दे दिया है? अगर तेजस्वी इस्तीफा न देने पर अड़े रहे तो इसके लिए लालू यादव के साथ-साथ एक तरह से राहुल भी जिम्मेदार हैं। उन्होंने इस मामले में दखल देने से इन्कार कर एक प्रकार से यही संदेश दिया कि उनके लिए महागठबंधन की एकजुटता से ज्यादा जरूरी तेजस्वी का राजनीतिक हित है। कहीं ऐसा तो नहीं कि वह यह तय ही नहीं कर पाए कि उन्हें क्या करना चाहिए? यह सवाल इसलिए, क्योंकि यह पहली बार नहीं जब कांग्रेस नेतृत्व की निर्णयहीनता, सुस्ती अथवा सही फैसला लेने से इन्कार करने के कारण पार्टी हाथ मलती नजर आई हो। गोवा में सबसे बड़ा दल बनने के बाद भी यदि कांग्रेस वहां सरकार बनाने में सफल नहीं हो सकी तो इसका कारण यही था कि कांग्रेस नेतृत्व समय पर यह फैसला नहीं ले सका कि विधायक दल का नेता कौन बने? मणिपुर में भी कांग्रेस लेट-लतीफी के कारण सरकार बनाने में नाकाम रही थी। बिहार में महागठबंधन के बिखरने के बाद कांग्रेस गुजरात में भी एक नए संकट से दो-चार होती दिख रही है। चंद दिनों पहले शंकर सिंह वाघेला राहुल को दोष देते हुए पार्टी से अलग हुए थे। अब तीन और विधायक भी पार्टी छोड़कर चलते बने। समस्या केवल यह नहीं है कि इन विधायकों के ऐसे फैसले के बाद कांग्रेस के लिए राज्यसभा के अपने उम्मीदवार को जिताना मुश्किल होगा। समस्या यह है कि गुजरात की तरह अन्य राज्यों में भी कांग्रेस के बड़े नेता या फिर विधायक पार्टी नेतृत्व के प्रति अपने मोहभंग का प्रदर्शन कर रहे हैं।

सुविचार

उनका भरोसा मत करो,
जिनका ख्याल वक्त के
साथ बदल जाऐ,
भरोसा उनका करो जिनका
ख्याल तब भी वैसा ही रहे
जब आपका वक्त बदल जाऐ.

आगे जाने के लिए पीछे लौटे

बिहार के नाटकीय राजनीतिक घटनाक्रम पर एक पंक्ति में सिर्फ यही कहा जा सकता है कि नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद से नाता तोड़कर अंततः खुद को और बिहार को बचा लिया है। नीतीश कुमार की छवि बची और बिहार एवं राज्य सरकार शासकीय अराजकता की ओर जाने से। खुद नीतीश कुमार ने यह स्वीकार किया कि ह्यइस गठबंधन का नेतृत्व करना मेरे लिए संभव नहीं रह गया था। अपने वायदों को हम पूरा नहीं कर पा रहे थे। भ्रष्टाचार का साथ देना मेरे वश में नहीं। याद रहे कि लंबे राजनीतिक जीवन के बावजूद नीतीश कुमार पर निजी संपत्ति बढ़ाने का कोई आरोप नहीं है। उन्होंने किसी परिजन या रिश्तेदार को राजनीति में आगे नहीं बढ़ाया। दूसरी ओर जिनसे नीतीश की राजनीतिक लड़ाई है, उनकी क्या स्थिति है? कम कहना अधिक समझना! लालू प्रसाद और नीतीश कुमार के बीच मतभेद का सिर्फ यही कारण नहीं था कि तेजस्वी यादव पर गंभीर आरोप लगे। राज्य के कुछ सत्ताधारियों के कारण सरकारी गलियारों और जिलों में जो कुछ घट रहा था वह बिहार के लिए कतई शुभ नहीं था। इसे लेकर नीतीश कुमार के कुछ समर्थक भी उनसे निराश हो रहे थे। बदले निजाम में अब यह उम्मीद की जा सकती है कि बिहार एक बार फिर विकास की पटरी पर तेजी से दौड़ने लगेगा। हालांकि विकास के लिए शासन को कानून व्यवस्था की मौजूदा स्थिति में उसी तरह सुधार करना पड़ेगा जिस तरह दस साल पहले सुधार हुआ था। तब राज्य में जदयू-भाजपा की सरकार थी।

उसके उलट हाल के महीनों में तो स्थिति यह बनी कि कुछ बाहरी उद्योगपतियों ने बिहार में निवेश के अपने प्रस्ताव को वापस ले लिया। नई जदयू-भाजपा सरकार के गठन के बाद बिहार को आर्थिक मदद देने को लेकर केंद्र सरकार की सुस्ती भी अब संभवतः समाप्त होगी। उम्मीद की जा रही है कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ नीतीश कुमार के बेहतर होते संबंध का लाभ भी इस पिछड़े प्रदेश को मिलेगा।

बीस माह में ही बिखर गए महागठबंधन में शामिल कांग्रेस के बारे में यही कहा जा सकता है कि उसने इस बार भी लालू परिवार का साथ देकर भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़ा होने का अंतिम मौका भी गंवा दिया। यह देखना दिलचस्प होगा कि अब वह मोदी के नेतृत्व वाले राजग के खिलाफ किस नैतिक बल के सहारे खड़ा हो पाएगी? याद रहे कि मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में राहुल गांधी ने एक अध्यादेश की कॉपी सार्वजनिक रूप से फाड़ दी थी। उस अध्यादेश के जरिये सरकार सजायाफ्ता नेताओं को राहत देना चाहती थी। राहुल गांधी के कड़े रुख के कारण केंद्र सरकार ने वह अध्यादेश वापस ले लिया था। परिणामस्वरूप लालू प्रसाद और एक अन्य सजायाफ्ता जनप्रतिनिधि की सदन की सदस्यता तत्काल प्रभाव से समाप्त हो गई थी। इसी पृष्ठभूमि में नीतीश कुमार को यह उम्मीद थी कि राहुल गांधी तेजस्वी यादव से इस्तीफा लेने में मदद करेंगे। नीतीश कुमार ने इस सिलसिले में राहुल गांधी से मुलाकात भी की, पर कुछ नतीजा नहीं निकला। अब राहुल गांधी कह रहे हैं कि उन्हें पता था कि नीतीश भाजपा के साथ जाने वाले हैं। यदि पता था तो क्या उन्होंने ऐसा नीतीश कुमार से कहा या फिर उन्हें रोकने के लिए कोई अन्य उपाय किया? लगता है कि कांग्रेस को यह याद नहीं रहता कि भ्रष्टाचार के बचाव के कारण वह पहले भी कई बार चुनाव हार चुकी है। वह कोई सबक सीखने को तैयार नहीं। इस मामले में वह लाचार लगती है। यदि तेजस्वी यादव का इस्तीफा हो गया होता तो नीतीश कुमार के लिए भाजपा से हाथ मिलाना फिलहाल मुश्किल होता। यह और बात है कि फिर भी महागठबंधन अधिक दिनों तक नहीं चलता। इसके लिए नीतीश कुमार जिम्मेदार नहीं होते। नीतीश की राजद से शिकायतें और भी थीं। देर सवेर उन्हें लेकर विस्फोट होना ही था।

एक अर्से से यह खबर राजनीतिक हलकों में तैर रही थी कि राजद खेमे के कुछ मंत्री मुख्यमंत्री की बात नहीं सुन रहे हैं। कुछ अन्य तरह की शिकायतें मुख्यमंत्री को अन्य सूत्रों के जरिये समूचे राज्य से मिल रही थीं। सत्ता के एक से अधिक अघोषित और गैर संवैधानिक केंद्र बन चुके थे। इसी कारण यह कहने वाले लोग भी हैं कि यदि तेजस्वी ने इस्तीफा भी दे दिया होता तो भी यह महागठबंधन सरकार चलने वाली नहीं थी। जो भी हो, यह एक बड़ा सवाल है कि नीतीश कुमार ने 2013 में भाजपा का साथ क्यों छोड़ा था और आज वह क्यों उसी के साथ हो गए? संभव है कि राष्ट्रीय स्तर पर नरेंद्र मोदी के मुकाबले अपने लिए किसी भूमिका की तलाश में नीतीश कुमार ने तब भाजपा का साथ छोड़ा हो। हालांकि नीतीश कुमार ने सार्वजनिक रूप से हमेशा यही कहा कि मैं प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नहीं हूं, लेकिन यदि उनके मन में ऐसी कोई महत्वाकांक्षा हो तो यह अस्वाभाविक बात नहीं है। कोई भी नेता अपना प्रमोशन चाहता है। कई गैर-जदयू नेता यह कह चुके थे कि नीतीश कुमार पीएम मेटेरियल हैं, लेकिन यदि केंद्रीय स्तर पर किसी सम्मानजनक भूमिका की कोई गुंजाइश नहीं बची हो तो नीतीश कुमार का ध्यान फिर दूसरी तरफ यानी बिहार की तरफ जाना स्वाभाविक ही था। संभवतः नीतीश कुमार के साथ यही हुआ हो। इसीलिए उन्होंने बिहार सरकार और बिहार पर पूरा ध्यान देने के लिए महागठबंधन को तोड़ना जरूरी समझा हो।

यदि राजग विरोधी दलों को राष्ट्रीय स्तर पर लामबंद के फेर में बिहार के सुशासन पर आंच आने लगी तो नीतीश कुमार आखिर क्या करते? उन्होंने फिर अपनी पुरानी राह पकड़ ली। हफ्ता भर पहले एक जदयू नेता ने कहा भी था कि 2005 से 2013 तक जब हम बिहार में भाजपा के साथ सरकार में थे तो असहज महसूस नहीं कर रहे थे। अब असहज महसूस कर रहे हैं। कम से कम दो मोर्चों पर असहजता जदयू और खासकर नीतीश कुमार को अधिक तकलीफ दे रही थी। एक ओर कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होती जा रही थी। राजनीतिक संरक्षण वाले अपराधियों का मनोबल बढ़ गया था। आंकड़े जो भी बताएं, लेकिन शांतिप्रिय लोगों को जब यह पता चलता है कि फलां अपराधी फलां नेता की शह पर अपराध कर रहा है तो इलाके में एक खास तरह की दहशत हावी हो जाती है। दूसरी ओर राज्य सरकार में कई स्तरों पर भ्रष्टाचार का बोलबाला था। कई मामलों में तो उस पर नीतीश कुमार का भी कोई बस नहीं चलता था। इन मुद्दों पर आम लोगों में नीतीश कुमार की आलोचना भी होने लगी थी। नवंबर, 2015 के बाद के बिहार की राजनीतिक और प्रशासनिक स्थिति पर गहराई से नजर रखने वाले हैरत में थे कि नीतीश कुमार ऐसी अनियमितताओं को बर्दाश्त ही क्यों कर रहे हैं? नवंबर, 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश कुमार के नेतृत्व में तीन दलों यानी महागठबंधन की सरकार बनी थी। अब जब नीतीश कुमार इस बेमेल महागठबंधन से अलग हो गए हैं तो राज्य के शांतिप्रिय लोग राहत की सांस ले सकते हैं। नीतीश कुमार के लिए यह आवश्यक है कि वह कानून एवं व्यवस्था को लेकर जल्द ही कुछ सख्त कदम उठाएं।

बाढ़ पर दोषारोपण

बरसात के मौसम हर वर्ष अधिक बारिश होने पर अक्सर नदियां खतरे के निशान से ऊपर बहन लगती हैं और बाढ़ का संकट गहराने लगता है। बरसात के दिनों में अधिकांश राज्यों को बाढ़ की समस्या से दो-चार होना पड़ता है। पश्चिम बंगाल में भी हर साल बाढ़ की समस्या पैदा होती है। यह प्राकृतिक आपदा ही है, लेकिन पश्चिम बंगाल में इस मुद्दे पर भी दोषारोपण शुरू हो जाता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तो कई बार राज्य में बाढ़ को मैन मेड बता चुकी हैं। इस बार उन्होंने राज्य में बाढ़ की स्थिति पैदा होने के लिए दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) पर गंभीर आरोप लगाया है और केंद्र से आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। ममता ने कहा है कि झारखंड में वर्षा होने के कारण डीवीसी अक्सर विभिन्न बैराजों से पानी छोड़ देता है और पश्चिम बंगाल की निचला हिस्सा पानी में डूब जाता है। वह 2012 साल से डीवीसी के डैमों की मरम्मत और सफाई करने की मांग करती रही हैं। पश्चिम बंगाल भौगोलिक रूप से झारखंड से निचले हिस्से में है। इसलिए झारखंड में बारिश होती है तो उसका सबसे बुरा असर पश्चिम बंगाल पर पड़ता है। केंद्र सरकार को डीवीसी की सफाई और मरम्मत करनी चाहिए ताकि पानी के भंडारण की क्षमता अधिक हो सके। बकौल ममता, पश्चिम बंगाल में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है और यह डीवीसी के अधिक पानी छोडने के कारण हो रहा है। दो लाख क्यूसेक पानी रखने की क्षमता बढ़ जाने से पश्चिम बंगाल हर साल बाढ़ में नहीं डूबेगा। राज्य में बाढ़ की समस्या के लिए ममता ने मुख्य कारणों का विस्तार से उल्लेख किया है और केंद्र को भी इससे अवगत कराया है, लेकिन सवाल उठता है कि आखिर बाढ़ के समय ही यह मुद्दा क्यों उठाया जाता है और डीवीसी तथा पड़ोसी राज्य झारखंड पर दोष थोपा जाता है। बाढ़ के समय तो पीड़ितों को तत्काल राहत और बचाव की जरूरत पड़ती है। बरसात के बहुत पहले ही डीवीसी की मरम्मत और नदियों में ड्रेजिंग का मुद्दा उठा कर केंद्र पर दबाव डाला जाना चाहिए और पड़ोसी राज्य के साथ इस मुद्दे पर समन्वय भी बनाया जाना चाहिए। झारखंड में भारी बारिश होती है तो दोनों राज्य सरकारों के बीच समन्वय होना चाहिए। आपसी सहयोग और समन्वय से बहुत कुछ समस्याएं हल हो सकती है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ड्राइवर का खुलासा

इंद्राणी ने दबाया शीना का गला, फेस पर बैठ ली जान

मुंबई। शीना बोरा हत्याकांड के सबसे महत्वपूर्ण सरकारी गवाह और आरोपी ड्राइवर श्यामवर राय ने शुक्रवार को कोर्ट में कई बड़े खुलासे किए हैं। राय ने बताया कि, इंद्राणी ने ही शीना का दोनों हाथों से गला दबाया और उसके चेहरे पर बैठ गई। इस मामले में शीना की मां इंद्राणी मुखर्जी के साथ ही उनके पति पीटर मुखर्जी, संजीव खन्ना और उनके पूर्व ड्राइवर श्यामवर राय आरोपी है। शीना बोरा की साल 2012 में हत्या कर दी गई थी और पुलिस के मुताबिक उसके शव को मुंबई से करीब 84 किलोमीटर दूर रायगढ़ के जंगलों में फेंक दिया गया था।

क्या है शीना बोरा मर्डर केस?

शीना इंद्राणी की बेटी थी, लेकिन वह उसे बहन बताती थी। इंद्राणी ने संजीव खन्ना को छोड़कर मीडिया ग्रुप स्टार के पूर्व सीईओ पीटर मुखर्जी से शादी कर ली थी। जबकि इंद्राणी खुद आईएनएक्स मीडिया ग्रुप की सीईओ थी। पीटर के बेटे का नाम राहुल है। खबर के मुताबिक, राहुल और शीना का अफेयर था। इंद्राणी इससे खुश नहीं थी। शीना इंद्राणी से पैसे की डिमांड कर रही थी। 24 अप्रैल 2012 को शीना ने संजीव खन्ना और श्यामवर राय के साथ मिलकर उसे कॉलेज से पिक किया। बाद में कार में ही गला दबाकर मर्डर कर दिया। शीना की डेड बॉडी उस रात कार में ही रही। अगले दिन यानी 25 अप्रैल को तीनों आरोपी फिर इकट्ठा हुए। लाश को लेकर रायगढ़ के जंगलों में गए। वहां पेट्रोल डालकर बॉडी जलाई और जो हिस्से बचे, उन्हें वहीं गाढ़ दिया। सीबीआई का आरोप है कि पीटर को पूरे मामले की जानकारी थी लेकिन उन्होंने इसे छुपाए रखा। श्यामवर को मुंबई पुलिस ने किसी दूसरे केस में अरेस्ट किया। लेकिन पूछताछ में उसने शीना के मर्डर केस का भी खुलासा कर दिया।

इंद्राणी ने लगाई शीना की बॉडी को आग : *अदालत में हुए क्रॉस एग्जामिनेशन के दौरान राय ने बताया कि, इंद्राणी मैडम अपने दोनों हाथों से शीना मैडम का गला दबा रही थीं। उसने कोर्ट को यह भी बताया कि, इंद्राणी मैडम शीना के फेस पर बैठ गईं और कहा इसने मेरा तीन बेडरूम का फ्लैट ले लिया। ड्राइवर के मुताबिक इंद्राणी ने ही माचिस निकाली और शीना की बॉडी को आग के हवाले किया।*

सड़क पर पड़ा हुआ बैग महिला को मिला, खोला तो निकले 1 करोड़ के पुराने नोट

मुंबई। पुणे शहर के फर्ग्युसन कॉलेज रोड पर एक महिला को सड़क किनारे पैसों से भरा एक बैग मिला। इसमें एक करोड़ के पुराने 500 और हजार के नोट थे। फिलहाल पुलिस महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। महिला को यह बैग कॉलेज के बाहर के गेट पर पड़ा हुआ मिला। कई लोगों ने महिला को बैग उठाते हुए देखा और पुलिस को इसकी जानकारी दे दी। मामले में तुरंत एक्शन लेते हुए डेक्कन पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक, यरवदा की रहने वाली गीता शाह नाम की महिला के पास से एक पैसों से भरा बैग बरामद हुआ है।

बैग में बंद हो चुके एक करोड़ के पुराने नोट थे। ज्यादा करेंसी 1 हजार के नोटों की थी। इस मामले में महिला से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल उसने पुलिस को इतना ही बताया है कि वह इन नोटों को बदलने की कोशिश करने वाली थी।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को दी जानकारी

डेक्कन पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर अजय कदम ने बताया कि, हम महिला से लगातार पूछताछ कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि इस मामले में जल्द ही कोई सुराग मिलेगा। पुलिस ने इन नोटों की जानकारी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को दे दी है।

बिहार के परिवर्तन से मीरा भाईंदर में बीजेपी हौसले बुलंद

मुंबई। महानगर पालिका चुनाव के रंग में रंग चुके मीरा-भाईंदर के बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बिहार में राजनीतिक परिवर्तन ने नया जोश भर दिया है। बीजेपी के बिहार की सत्ता में शामिल होने के बाद गुरुवार को मीरा भाईंदर के बीजेपी जिला कार्यालय पर उत्सव मनाया गया, पटाखे फोड़े गए और मिठाई बांटी गई। मीरा भाईंदर महानगर पालिका का चुनाव 20 अगस्त को होना है, और उससे पहले बिहार में नीतीश कुमार की जेडीयू के साथ बीजेपी का सत्ता में शामिल होने को बीजेपी एक अच्छा शगुन मान रही है। बता दें कि मीरा-भाईंदर में बड़ी संख्या में हिंदी भाषी मतदाता रहते हैं, इनमें बिहार के लोगों की भी तादाद अच्छी खासी है। स्थानीय बीजेपी नेता मान रहे हैं कि बिहार के ताजा राजनीतिक घटनाक्रम के बाद मीरा भाईंदर में रहने वाले नीतीश समर्थक बिहार के लोगों का वोट बीजेपी को मिलेगा, इससे बीजेपी को मनपा चुनाव में अच्छा खासा फायदा होगा। मीरा भाईंदर में राजस्थानियों, गुजरातियों और उत्तरभारतीयों की अच्छी खासी जनसंख्या होने के कारण बीजेपी यूं भी मीरा भाईंदर में अपनी जीत पक्की मान कर रही थी। मीरा-भाईंदर में बीजेपी का मुख्य मुकाबला शिवसेना से है। पार्टी की तरफ से मीरा भाईंदर में बीजेपी की चुनाव जिम्मेदारी संभाल रहे मुंबई बीजेपी के महामंत्री अमरजीत मिश्र ने बताया कि मीरा भाईंदर जिला बीजेपी कार्यालय पर मनाए गए उत्सव में कार्यकर्ताओं को जोश जीत की गारंटी दे रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में हुआ सत्ता परिवर्तन बीजेपी की बढ़ती लोकप्रियता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से बिहार में एक बेमेल गठबंधन की सत्ता थी अब एक 'नैचुरल गठबंधन' सत्ता में आया है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

घर एक सपना

ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स ने जब इस गृह संस्था के सभी 94 लोगों के घर को पुनर्विकास के लिए अपने कब्जे में लिया तब इन लोगों को दूसरी जगह रहने के लिए चार से पांच वर्ष तक बाजाब्ता भाड़े का भुगतान भी किया लेकिन पिछले 2 वर्षों से उसने इन लोगों को भाड़ा देना बंद कर दिया। जिस कारण ये लोग फिर से बेघर हो गये जो अभी दर-दर की ठोकरें खाते हुए इधर-उधर भटक रहे हैं। इस तरह ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स ने इन लोगों के साथ चालें चलनी शुरु कर दी। अपने मैनेजर राजू अग्रवाल के जरिये उसने इन लोगों को संवाद भेजवाया कि या तो 20-20 लाख रुपया लेकर यहां से चले जाओं अथवा मीरा रोड जाकर रहो। लेकिन जानू भोयेनगर के निवासियों ने उनके इस ऑफर को साफ ठुकरा दिया और ओमकार बिल्डर के खिलाफ पिछले 2 जून 2016 से धरने पर बैठ गये हैं। जबकि ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स ने इन्हें घर देने के लिए बाजाब्ता एग्रीमेंट भी कर रखा है। लेकिन आज उसने इन लोगों के साथ विश्वासघात कर दिया है। पीड़ित सभी लोग वर्ष 1980 से ही यहां रह रहे हैं। ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स की धोखाधडी और बेईमानी से परेशान इन सभी लोगों ने अपनी बात मुख्यंत्री देवेंद्र फडनवीस, गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश महेता, विधायक विद्या चव्हाण और झोपडपट्टी पुनर्वसन विभाग के अधिकारी तक अपनी फरियाद पहुंचाई। इनकी फरियाद पर संज्ञान लेते हुए दो-दो बार महाराष्ट्र विधानसभा, मुंबई और एक बार नागपुर विधानसभा में इस 420 ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स द्वारा की गई इस धोखाधड़ी का मुद्दा भी उठाया गया। लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हो सकी। इस बात से परेशान सभी रहिवासियों ने आंदोलन का रास्ता अपनाया और वे लोग अभी ओमकार बिल्डर के खिलाफ धरने पर बैठे हैं। लेकिन ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स का मालिक कान में तेल डालकर बैठा है। जानू भोयेनगर के इन लोगों की व्यथा के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या इसका जवाब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, मनपा आयुक्त अजोय मेहता, गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश महेता के पास है, जनता यह जानना चाहती है!

नवाज शरीफ का इस्तीफा

नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) की उच्च स्तरीय बैठक में शहबाज को पीएम बनाए जाने का निर्णय लिया गया। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इसकी घोषणा की। हालांकि अभी शहबाज पाकिस्तानी संसद के निचले सदन नेशनल एसेंबली के सदस्य नहीं हैं, जिसके चलते वह फौरन प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। ऐसे में 45 दिन तक किसी दूसरे को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया जाएगा। इसके लिए शनिवार को इस्लामाबाद में पार्टी की बैठक होगी। इस अंतरिम प्रधानमंत्री के कामकाज को बाद में शहबाज कुर्सी संभालते ही मंजूरी दे देंगे। हालांकि अभी तक इस पद के लिए किसी की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन माना जा रहा है कि शहबाज के पद ग्रहण करने तक पाकिस्तानी रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया जा सकता है। इस ऐलान से पहले पंजाब प्रांत के मौजूदा मुख्यमंत्री शहबाज पीएम पद की रेस सबसे आगे बताए जा रहे थे। इससे पहले शहबाज के अलावा रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ, संघीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री शाहिद खाकान अब्बासी और नेशनल एसेंबली के स्पीकर अयाज सादिक को पीएम बनाए जाने की चर्चा थी। वहीं, शहबाज के बाद उनके बेटे हमाज शहबाज शरीफ को पंजाब का मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। शुक्रवार को पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने पनामा लीक केस में संयुक्त जांच आयोग की रिपोर्ट के आधार पर नवाज शरीफ को दोषी करार दिया। साथ ही 5 जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से शरीफ के खिलाफ फैसला देते हुए उनको अयोग्य ठहरा दिया, जिसके बाद उनको प्रधानमंत्री की कुर्सी छोड़नी पड़ी। पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के पहले से ही शहबाज की ताजपोशी की बात कही जा रही थी। हालांकि शहबाज पाकिस्तानी संसद के निचले सदन नेशनल एसेंबली के सदस्य नहीं हैं, जिसके चलते वह फौरन प्रधानमंत्री नहीं बन सकते।

गुजरात में डूब रही कांग्रेस...

अब वे अपने तीसरे उम्मीदवार बलवंतसिंह राजपूत की जीत सुनिश्चित करने में जुटे हैं। गुजरात विधानसभा में भाजपा के 121 सदस्य हैं। मौजूदा हालात में दोनों उम्मीदवारों की जीत के लिए जरूरी मतों के बाद 33 मत भाजपा के पास अतिरिक्त हैं। इन मतों के बूते राजपूत का चुनाव जीतना संभव नहीं है। इसीलिए भाजपा कांग्रेस छोड़ चुके वरिष्ठ नेता शंकरसिंह वाघेला के समर्थक विधायकों से त्यागपत्र दिलवा रही है। विधानसभा में अब कांग्रेस विधायकों की संख्या 50 रह गई है। कांग्रेस को राज्यसभा चुनाव में विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग किए जाने की आशंका भी सता रही है। इसीलिए राजकोट के कांग्रेस विधायकों को रातभर एक रिसोर्ट में रखा गया, ताकि भाजपा नेता उनसे संपर्क नहीं कर सकें। लेकिन, सुबह होते ही जसदण विधायक भोलाभाई गायब हो गए। विधायक कामिनीबेन राठौड़ भी पार्टी के संपर्क में नहीं हैं। पार्टी में बिखराव की खबर पाते ही गुजरात प्रभारी अशोक गहलोत अहमदाबाद दौड़े आए। लेकिन, कांग्रेस में 'मर्ज बढ़ता गया ज्यों-ज्यों दवा की' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। गुजरात भाजपा प्रभारी भूपेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस विचारधारा तथा शासन के विकल्प के रूप में विफल साबित हुई है।

भारत के इस एक कदम से तड़प उठा पाक

अब लगा रहा गुहार

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज वैसे तो पाकिस्तानी रोगियों को चिकित्सा वीजा देने में एक पल भी नहीं लगाती और उनके इस सहयोग की देश ही नहीं बल्कि पाकिस्तान में भी काफी सराहना होती है। वहीं भारत ने चिकित्सा वीजा पर एक कदम क्या उठाया पाकिस्तान उससे तड़प उठा है। दरअसल भारत विदेश मंत्रालय ने मई में घोषणा की थी कि अब पाक विदेश मामलों के सलाहकार सरताज अजीज द्वारा लिखा गया एक सिफारशी पत्र ही पाकिस्तानी नागरिकों को भारत का वीजा पाने में सक्षम बनाएगा। इस पर पाकिस्तान विदेश विभाग के प्रवक्ता नफीस जकरिया ने कहा कि बीमार रोगियों के वीजा के लिए विदेश मामलों के सलाहकार से पत्र मांगना राजनियक नियम कायदों के खिलाफ है इसलिए भारत ऐसा कोई नियम न बनाए जिससे रोगियों को परेशानी हो। नफीस ने कहा कि भारत चिकित्सा वीजा पर नियंत्रण न लगए। बता दें कि सुषमा स्वराज ने पाकिस्तानी जेल में बंद भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव की मां के लिए पाकिस्तान से वीजा की अपील की थी। जाधव की मां उससे मिलने पाकिस्तान जाना चाहती हैं लेकिन इस पर कोई जवाब नहीं आया। यहां तक कि सुषमा ने सरताज अजीज को

भी खत लिखा था लेकिन उन्होंने भी इस पर कोई जवाब नहीं दिया जिसके बाद सुषमा ने ट्विटर पर ही पाकिस्तान को लताड़ लगाई थी। वहीं इस मामले के बाद पाक के कब्जे वाले कश्मीर के ओसामा अली नाम के एक रोगी ने भारत से मैडीकल वीजा मांगा था जिसके लिए भारत ने पत्र वाली शर्त हटाई थी और कहा था कि उसे भारत आने की इजाजत दी जाएगी क्योंकि पीओके भारत का अभिन्न अंग है। सुषमा ने ट्वीट किया था, पाकिस्तान ने इस पर अवैध कब्जा कर रखा है। हम उन्हें वीजा दे रहे हैं। किसी पत्र की जरूरत नहीं है।

NSG में भारत की एंट्री को लेकर US आया आगे, अन्य देशों से मांगा सहयोग

अमरीका ने न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप(एनएसजी)में भारत की सदस्यता के अपने सपोर्ट को दोहराते हुए ग्रुप के बाकी सदस्यों से भी भारत की अर्जी को सपोर्ट करने को कहा है। बता दें कि भारत ने 48 मेंबर वाले इस ग्रुप की सदस्यता के लिए अर्जी दी है। यह ग्रुप इंटरनेशनल लेवल पर न्यूक्लियर मटेरियल की सप्लाई को कंट्रोल करता है।

अमरीका चाहता है NSG में हो भारत की 'एंट्री' - मीडिया खबर मुताबिक, अमरीका के रक्षा विभाग और राज्य विभाग ने एक साझा रिपोर्ट अमरीकी कांग्रेस को सौंपी है जिसमें अमरीका ने भारत को एनएसजी में शामिल करने की अपनी बात को दोहराया है और साथ ही भारत को ऑस्ट्रेलिया ग्रुप और वासनेर ग्रुप में भी शामिल किए जाने की बात की दोबारा पुष्टि की है। अमरीकी रक्षा और राज्य विभाग द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट में भारत के साथ सुरक्षा संबंध बढ़ाने की बात कही गई है। दरअसल, यह रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2017 के लिए भारत और अमरीका के बीच सेक्सन-1292 के तहत सुरक्षा सहयोग को लेकर हुए नेशनल डिफेंस अथॉराइजेशन एक्ट के लिए सौंपी गई है।

चीन डाल सकता है अड़ंगा - गौरतलब है कि 48 देशों वाले इस समूह में भारत के प्रवेश को लेकर अमरीका लंबे समय से समर्थन कर रहा है, लेकिन भारत की इस राह में सबसे बड़ा रोड़ा चीन है।चीन एनएसजी में भारत की सदस्यता का लगातार यह कह कर विरोध कर रहा है कि भारत ने नॉन प्रॉलिफेरेशन ट्रीटी (एनपीटी) पर दस्तखत नहीं किए हैं। चीन के इस विरोध के कारण भारत की एनएसजी तक पहुंच मुश्किल बनी हुई है। बता दें कि इस ग्रुप की सदस्यता के लिए इसके सभी मेंबर्स की मंजूरी जरूरी होती है।

जैट एयरवेज की फ्लाइट के साथ हादसा

बचे 150 यात्री

जैट एयरवेज का विमान आज एक हादसा का शिकार हो गया। दरअसल, यह विमान 150 यात्रियों को लेकर मुंबई से जोधपुर के लिए रवाना हुआ था कि रास्ते में एक पक्षी से टकरा गया। इसके बाद आनन-फानन में सभी यात्रियों को सुरक्षित एयरपोर्ट पर उतारा गया। हादसे में सभी 150 यात्री सलामत हैं।

झारखंड के देवघर में कैंसर जागरूकता अभियान

झारखंड के देवघर स्थित रिखियापीठ आश्रम की स्थापना सेवा और प्रेम देने के एकमेव उद्देश्य से की गई थी। यह आश्रम भारत के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में स्थित है। रिखियापीठ आश्रम में पूरे साल में नियमित रुप से मेडिकल कैंप का आयोजन होता है, ताकि इस क्षेत्र के लोगों को चिकित्सा सहायता मिल सके। एन के ढाभर कैंसर फाउंडेशन (एनकेडीसीएफ), कैंसर वाले लोगों को वित्तीय,भावनात्मक और सामाजिक समर्थन प्रदान करता है और मरीजों और उनके परिवारों के लिए आत्मविश्वास, आशा और साहस पैदा कर सकता है। हमारा प्रयास हर रोगी के लिए कैंसर के उपचार को बढ़ावा देना और एकीकृत करना है, चाहे वह इलाज,क्षय या टर्मिनल हो, जैसा कि हम मानते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को कैंसर के किसी भी स्तर पर देखभाल और गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। एनकेडीसीएफ ने इस शिविर में 2 दिनों तक भाग लिया, जहां हमने कैंसर की जांच और पता लगाया था। यह पहली बार है कि रिखियापीठ में कैंसर की जांच हुई थी। इस शिविर में 26 डॉक्टरों, नर्सों, पैरा मेडिकल स्टाफ और स्वयंसेवकों की एक टीम ने भाग लिया। हमने एक पूर्ण गायनोकोलॉजिकल चेक-अप का आयोजन किया, जिसमें ग्रीवा के कैंसर का पता लगाने के लिए तरल कोशिका विज्ञान और एक विशेषज्ञ आनुवंशिकीविज्ञानी द्वारा नैदानिक परीक्षा शामिल थी। ब्रेस्ट डिटेक्शन का पता लगाने के लिए एक अभिनव तकनीक कॉल आयब्रेट परीक्षा का इस्तेमाल किया गया था। यह ओन्कोलॉजिस्ट द्वारा स्तन की नैदानिक परीक्षा द्वारा समर्थित था। इस क्षेत्र में तंबाकू के उच्च उपभोग को ध्यान में रखते हुए एक वरिष्ठ ऑन्कोलॉजिस्ट द्वारा एक विस्तृत सिर और गर्दन और पूर्ण शरीर परीक्षा आयोजित की गई। सभी प्रतिभागियों को जांच की गई। साथ ही अन्य भौतिक नैदानिक मापदंडों के लिए भी जांच की गई। विभिन्न अलगाव के लिए अधिकांश प्रतिभागियों को चिकित्सा प्रदान की गई थी। कुल मिलाकर हमने २६१ प्रतिभागियों के पुरुषों और सभी उम्र की महिलाओं की जांच की। कैंसर के संदिग्ध मामलों में १०१ थे और पुष्टि के मामले ९४ थे। एनकेडीसीएफ की पूरी टीम के लिए यह एक समृद्ध और प्रबुद्ध अनुभव था,क्योंकि यह पहली बार हमने इस तरह के एक शिविर का आयोजन किया। टीम को सादगी और प्रतिभागियों की उत्सुकता से छू लिया गया, ताकि डॉक्टरों द्वारा इसकी जांच की जा सके, क्योंकि इस तरह का इस क्षेत्र में पहला कैंसर शिविर था। एनकेडीसीएफ को इस क्षेत्र के लोगों को सेवा प्रदान करने का मौका देने के लिए रिखियापीठ आश्रम का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा। यह पूरे शिविर हमारे सभी प्रायोजकों और शुभचिंतकों के समर्थन और प्रयासों के बिना संभव नहीं था। जेट एयरवेज की टीम को अपनी प्राथमिकता जांच के लिए विशेष धन्यवाद और हवाई अड्डे पर जांच और उड़ान सेवा बेहतर देने के लिए।

अयोध्या के विवादित बाबरी मस्जिद पर शिया वक्फ बोर्ड ने ठोका दावा

उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने रामजन्मभूमि बाबरी मस्जिद विवाद से जुड़े मामलों में पक्ष बनने का फैसला किया है। बोर्ड की कल संपन्न हुई 2 दिवसीय बैठक में सदस्यों ने अध्यक्ष वसीम रिजवी को अयोध्या मुद्दे से जुड़े अदालती मामले में हस्तक्षेप के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर फैसले के लिए अधिकृत किया। रिजवी ने कहा कि बोर्ड सदस्यों की राय है कि वक्फ मस्जिद मीर बकी, जिसे अयोध्या में बाबरी मस्जिद के लोकप्रिय नाम से जाना जाता है, बाबर के समय मीर बकी द्वारा बनवाई गई शिया मस्जिद थी। मीर बकी शिया थे। रिजवी ने दावा किया कि इस तथ्य के अनुसार वह शिया मस्जिद थी।

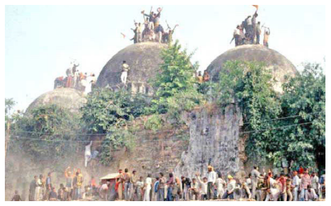

केवल मस्जिद के इमाम ही सुन्नी थे, जिन्हें शिया मुतवल्ली पारिश्रमिक देते थे और वहां शिया सुन्नी दोनों ही नमाज पढ़ते थे। बोर्ड सदस्यों के नजरिए से मीडिया को अवगत कराते हुए रिजवी ने कहा कि 1944 में सुन्नी बोर्ड ने मस्जिद अपने नाम से पंजीकृत करा ली थी, जिसे शिया बोर्ड में 1945 में अदालत में चुनौती दी थी लेकिन शिया बोर्ड मुकदमा हार गया। उन्होंने कहा कि इन वर्षों में किसी ने उक्त आदेश की समीक्षा के लिए उच्च न्यायालय या किसी अन्य अदालत में याचिका दायर नहीं की। उन्होंने कहा कि अब मेरे पास आदेश की प्रति है और मुझे बोर्ड ने जिम्मेदारी दी है कि मस्जिद के स्वामित्व पर दावा पेश किया जाए।

चीन का महिमामंडन करने वाले अखिलेश को भगवान सद्बुद्धि दे: योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर चीन का महिमामंडन करने के मसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भगवान उन्हें सद्बुद्धि दे। योगी ने विधान परिषद में बजट पर सामान्य चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि बजट पर चर्चा के दौरान बहुत सी ऐसी बातें भी सदन में कही गईं, जिन पर उन्हें लगता है कि हर भारतवासी आपत्ति करेगा। उन्होंने अखिलेश की तरफ इशारा करते हुए कहा कि खासतौर पर पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा एक दुश्मन देश का महिमामंडन करने का जो कुत्सित प्रयास किया गया है, मुझे उस पर बहुत आपत्ति भी है और अफसोस भी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना वक्तव्य देने वाले नेताओं के बारे में सरदार पटेल की एक बात याद आती है। पटेल ने एक बार कहा था कि इस महान देश की स्वतंत्रता पर जब-जब संकट आए हैं, तब-तब बाहर के शत्रुओं से उतने नहीं जितने घर के मित्रों की तरफ से आए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है और इस पर रोक लगनी ही

चाहिए। भगवान उन्हें (अखिलेश) सद्बुद्धि दे। मुख्यमंत्री के इस बयान के दौरान सदन में सपा, बसपा और कांग्रेस के सदस्य मौजूद नहीं थे। योगी ने कहा कि विधानसभा से इस प्रकार के कुर्तकों और उनके कृत्यों के कारण प्रदेश की जनता ने सपा को सत्ता से बाहर करने का फैसला किया है। हम प्रार्थना करेंगे कि जल्द ही इस प्रकार की स्थितियां उच्च सदन में भी पैदा होंगी कि उन्हें स्वयं ही सदन को छोड़कर भागना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आश्चर्य होता है कि अखिलेश ने अपने पिता मुलायम सिंह यादव के बारे में भी प्रश्न उठाए। मुझे लगता है कि मुलायम सिंह तो अखिलेश यादव के भाग्य विधाता है। उन्होंने ही उन्हें सांसद बनाया होगा। उन्होंने ही उन्हें मुख्यमंत्री भी बनाया है और आज वह उनकी ही कार्यपद्धति पर प्रश्न उठा रहे हैं। मालूम हो कि अखिलेश ने गत बुधवार को बजट पर सामान्य चर्चा के दौरान चीन का जिक्र करते हुए कहा था कि हम तो जानते हैं कि लड़ाई उसी से करो, जिससे जीत जाओ। चीन से थोड़ा सम्भल करके। कहते हैं कि भारत वर्ष 1962 वाला भारत नहीं है। यह क्यों नहीं जानते कि चीन वह नहीं है जो 1962 में था। वहां पर जो तरक्की और मूलभूत ढांचे की चीजें हैं, हम उसके पास नहीं पहुंच सकते।

गुजरात में कांग्रेस की बढ़ी मुश्किलें, 2 और विधायकों ने दिया इस्तीफा

राज्यसभा चुनाव से पहले गुजरात में कांग्रेस पार्टी को एक बार फिर झटका देते हुए उसके 2 और विधायकों ने सदन की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। अभी तक 5 विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। कांग्रेस से विधायकों का यूं इस्तीफा देना पार्टी को मुश्किल में डाल सकता है। राज्यसभा चुनाव के लिए अपने वरिष्ठ नेता अहमद पटेल को उम्मीदवार बनाया है। बालासिनोर से विधायक मानसिंह चौहान ने आज सुबह विधानसभा अध्यक्ष रमनलाल वोरा को इस्तीफा सौंपा। वहीं, वांसडा से विधायक छनाभाई चौधरी ने बीती रात अध्यक्ष के आवास पर उनको अपना त्यागपत्र दिया। वरिष्ठ नेता शंकरसिंह वाघेला के पिछले सप्ताह पार्टी छोडने से कांग्रेस की हालत पहले ही डांवाडोल है। इस तरह 182 सदस्यीय विधानसभा में अब कांग्रेस के सदस्यों की संख्या घटकर 52 रह गई है। राज्य में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होना है।

3 विधायक हुए भाजपा में शामिल

राज्यसभा चुनाव की 3 सीट के लिए गुजरात में 8

अगस्त को वोट डाले जाने हैं। कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा के बाद तीनों विधायक को गुजरात भाजपा के प्रभारी भूपेन्द्र यादव ने केसरिया पहनाकर भाजपा में शामिल कर लिया। भाजपा दफ्तर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह और स्मृति ईरानी की मौजूदगी में बलवंत सिंह राजपूत को राज्यसभा चुनाव में भाजपा का तीसरा उम्मीदवार बनाने का ऐलान कर दिया गया। माना जा रहा है कि इस चुनाव से पहले कांग्रेस के कई और विधायक भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

AAP का सवाल- पनामा मामले में मोदी सरकार कब करेगी कार्रवाई

आम आदमी पार्टी मोदी सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ती। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पनामा मामले में दोषी करार होने पर हाआपद्ध नेता आशुतोष ने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पाकिस्तान के अंदर अभूतपूर्व घटना हुई है, वहां के सुप्रीम कोर्ट ने

प्रधानमंत्री डिसक्वालिफाई कर दिया। हैरानी की बात है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार पर कुछ नहीं कर रहे। पनामा पेपर्स के मामले में अमिताभ बच्चन, अजय देवगन, गौतम अडानी, विनोद अडानी, अभिषेक सिंह (रमन सिंह के पुत्र) पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। जबकि हमारे देश के लोकतंत्र, न्याय व्यवस्था व मीडिया की दुहाई पूरी दुनिया मे दी जाती है। पनामा पेपर्स की ओर नरेंद्र मोदी सरकार का ध्यान नहीं है। पाकिस्तान की घटना पर राष्ट्रवादी टीवी चैनलों को पूछना चाहिए भारत मे कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। वहीं आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक आलोक अग्रवाल ने कहा कि आज एक व्यक्ति की जिद के कारण 1 लाख लोगों को उजाड़ा जाएगा। सरदार सरोवर डैम के पास 193 गांव के 18000 परिवार डूब में आ रहे हैं। इनके पुनर्वास पर कोई काम नहीं हुआ।

GST से जुड़े सवाल का जवाब देने के लिए मुंबई कमिशनर ने लॉन्च किया मोबाइल सेवा केंद्र

मुंबई, सामग्री , सेवा कर देश में नए कराधान प्रणाली के रूप में उभर कर आई है जीएसटी। हालांकि, 1 जुलाई से जीएसटी शासन के आगमन के साथ, व्यापारियों, कर दाताओं और उपभोक्ताओं के बीच बहुत भ्रम और संदेह पैदा हुआ था। लेकिन मुंबई वेस्ट कमेटी का धन्यवाद और उनके सक्रिय दृष्टिकोण जीएसटी को लेकर वेस्टर्न मुम्बई के व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं के लिए अंधेरी से गोरेगांव तक कार्यालय खोल दिया गया है जहा जीएसटी से जुडी सभी समस्याओ को हाल किया जायेगा इस्सके अतिरिक्त मुंबई वेस्ट कमिशनर ने २४*७ चार डिजाइन वाहनों के रूप में 'मोबाइल सेवा केंद्र' भी शुरू किया है जो पश्चिम मुंबई के विभिन्न स्थानों पर रोमिंग पर रहेगा और जिस भी व्यक्ति को शाखा में जाने में असुविधा हो रही है वह इसका लुफ्त उठा सकता है । जीएसटी सेवा केंद्र जो अंधेरी पश्चिम और गोरेगांव कार्यालय परिसर में खोले गए हैं लॉन्च करने वाली कंपनी ने बताया कि जहा इस महीने में अभी तक १००० से अधिक कॉलों ने भाग लिया और उत्तर दिए। जा रहे है इन दोनों सेवा केंद्रों ने रोजाना १२० से १५० कॉल्स

आते है और अधिकांश कालर्स ने सिर्फ यह जानने की कोशिश की है कि जीएसटी का नया कर कानून छोटे बिजनेस के लिए फायदेमंद होगा या नहीं। जीएसटी मुंबई वेस्ट के नोडल ऑफिसर श्री जयशंकर उपाध्याय, जो एक वरिष्ठ आईआरएस ने बताया, हेल्पलाइन नंबर पर आई ७० फीसदी कॉल्स पर अधिकांश लोगों की चिंता जीएसटी दरों को लेकर है और वो जानना चाहते हैं कि इसके अंतर्गत आने वाला कर ढांचा छोटे बिजनेस (स्माल बिजनेस) के लिए फायदेमंद रहेगा कि नहीं। उन्होंने बताया कि ९,००० से ज्यादा कॉलर्स के सवालों का जवाब देने की तैयारी की गई थी। श्री जयशंकर उपाध्याय ने बताया, हेल्पलाइन नंबर के जरिए जितनी भी कॉल्स आई हैं उसमे से ८० फीसदी कॉल्स उन संगठनों की ओर से आई हैं जो सीधे तौर पर 1 करोड़ से कम के बिजनेस टर्नओवर वाली हैं। उन्होंने आगे कहा कि इनमें से अधिकांश को जीएसटी दरों को लेकर चिंता सता रही है और अगर कोई कंपनी सीधे तौर पर अपने उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर प्रोडक्ट की सप्लाई करती हैं तो इस सप्लाई पर जीएसटी कानून किस तरह से लागू किया जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

10 साल की रेप विक्टिम को अबॉर्शन की इजाजत नहीं

काफी देर हो गई: सुप्रीम कोर्ट

नई दल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 10 साल की रेप विक्टिम को अबॉर्शन की इजाजत देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा- मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में कहा गया है कि अबॉर्शन मां और बच्चे दोनों के लिए ठीक नहीं है। बता दें कि रेप विक्टिम को 32 हफ्ते की प्रेग्नेंसी है। खबर के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अबॉर्शन करने के लिए अब काफी देर हो चुकी है। जस्टिस जेएस खेहर और जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने पीजीआई चंडीगढ़ की रिपोर्ट पर ये फैसला लिया। हालांकि, बेंच ने बच्ची के मेडिकल केयर पर संतोष जाहिर किया। कोर्ट ने पीजीआई को रेप विक्टिम की जांच और अबॉर्शन के नतीजों पर रिपोर्ट देने को कहा था। इससे पहले सुनवाई में कोर्ट ने चिंता जाहिर की थी कि कहीं इतनी कम उम्र में मां बनने से बच्ची की जान को खतरा ना हो जाए।

हर राज्य में मेडिकल बोर्ड बनाया जाए–सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसीटर जनरल रंजीत कुमार से कहा कि हर स्टेट में एक पमार्नेंट मेडिकल बोर्ड बनाया जाए, ताकि इस तरह के मामलों पर सही फैसला लिया जा सके। कोर्ट ये बात इसलिए कही, क्योंकि अबॉर्शन से जुड़े मामले काफी संख्या में सुप्रीम कोर्ट तक आ रहे हैं। एडवोकेट अलख आलोक श्रीवास्तव ने अपनी पिटीशन में हर डिस्ट्रिक्ट में मेडिकल बोर्ड बनाए जाने के बारे में सुप्रीम कोर्ट से गाइडलाइन देने को कहा था।

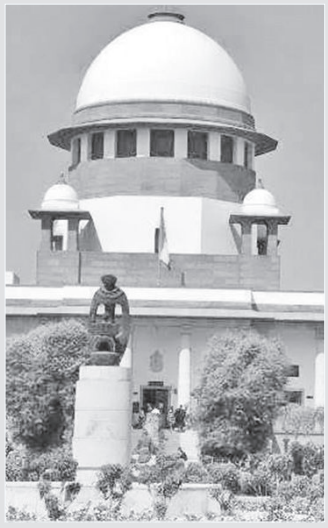

क्या है मामला?

चंडीगढ़ में 10 साल की बच्ची का उसी के रिश्तेदार ने रेप कर दिया था, जिसके बाद वह प्रेग्नेंट हो गई। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने लीगल ऐड सर्विस के सदस्य सचिव से कहा कि बच्ची को जांच के लिए लाने ले जाने का खर्च अथॉरिटी उठाए। साथ ही उसकी पहचान उजागर न हो। बच्ची के परिजनों को सुप्रीम कोर्ट आने का खर्च भी अथॉरिटी उठाए। इससे पहले चंडीगढ़ डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने भी इस मामले में अबॉर्शन की मंजूरी नहीं दी थी।

क्या है कानून?

मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के मुताबिक, 20 हफ्ते तक अबॉर्शन की इजाजत है। संशोधित बिल में इसे बढ़ाकर 24 हफ्ते करने की सिफारिश की गई है। लेकिन, फिलहाल इसे संसद से मंजूरी नहीं मिली। एक साल के अंदर मुंबई में यह दूसरा मामला है। जब 20 हफ्ते से ज्यादा वक्त के बाद अबॉर्शन की इजाजत के लिए सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई गई। पहले एक महिला को 24 हफ्ते में अबॉर्शन की इजाजत दी गई थी।

उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में होगी भाजपा की अग्निपरीक्षा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पद पर बने रहने के लिए 19 सितंबर से पहले विधान मंडल के किसी सदन का सदस्य बनना जरूरी है। इसके साथ ही दोनों को लोकसभा की अपनी-अपनी सीट छोडनी होगी। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी भाजपा के लिए इन दोनों सीटों को बचाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है।

सियासी बाजी पलटने के लिए इतिहास में आजमगढ़ का 1978 के उप चुनाव का सबक दर्ज है। इसी कारण से आने वाले उप चुनाव में भाजपा की परीक्षा होनी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य फूलपुर के सांसद हैं। दोनों ऐतिहासिक सीटें हैं। गोरखपुर संसदीय सीट पर पहली बार गोरक्षपीठ के महंत दिग्विजय

नाथ 1967 में जीते थे। फिर उनके निधन के बाद उपचुनाव में महंत अवेद्यनाथ 1970 में सांसद हुए। 1989 से 1996 तक अवेद्यनाथ और 1998 से अब तक योगी आदित्यनाथ यहां से सासंद चुने गए हैं। गोरखपुर संसदीय सीट पर योगी आदित्यनाथ ही ऐसे सूरमा रहे जिन्हें कोई पराजित नहीं कर सका। वरना, समय के समीकरणों ने उनके गुरु महंत अवेद्यनाथ और उनके गुरु महंत दिग्विजयनाथ को हार का सामना करने पर मजबूर किया। इस सीट से जनता की अगाध आस्था मंदिर की वजह से है। मंदिर के बाहर का उम्मीदवार कितना सटीक होगा, उसका चयन भाजपा और खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए बहुत कठिन है। नेहरू की विरासत वाली फूलपुर सीट पर पहली बार केशव प्रसाद मौर्य ने कमल खिलाया। यहां भाजपा कभी खाता नहीं खोल सकी थी। नरेन्द्र मोदी की हवा के साथ ही केशव का इस इलाके में लगातार संघर्ष भी एक वजह बना। अब यह बात चल रही है कि अगर केशव का इस्तीफा हुआ तो बसपा प्रमुख मायावती को विपक्ष साझा उम्मीदवार बना सकता है। जाहिर है कि विपक्ष की यह गोलबंदी भाजपा के लिए खतरे की घंटी है। ऐसे में भाजपा फूंक-फूंक कर कदम रखने में लगी है।

सिपाही बन दवा कारोबारी को लूटा

कानपुर। हरबंश मोहाल में उन्नाव के दवा कारोबारी को बाइक सवार लुटेरों ने सिपाही बनकर नकली नोट जांचने के नाम पर लूट लिया। शक होने पर उसने पकड़ने का प्रयास किया तो लुटेरे धक्का देकर भाग निकले। पुलिस ने लूट का मुकदमा दर्ज कर लिया है। उन्नाव के आसीवन निवासी विजय सिंह दवा कारोबारी हैं। दोपहर में वह टेंपो से नरोना चौराहे पर उतरे और पैदल ही बिरहाना रोड दवा मार्केट जा रहे थे। घसियारी मंडी चौराहे पर खुद को सिपाही बता दो युवकों ने उन्हें रोक लिया और अपनी आइडी दिखाते हुए नकली नोट जांचने की बात कही। विजय ने शर्ट के अंदर बैग में रखे नोट दिखाए तो वे उन्हें लेकर भागने लगे। उन्होंने लुटेरों को पकड़ने का प्रयास किया तो धक्का दे दिया और भाग निकले। भरे चौराहे वारदात की सूचना पर पहुंची हरबंश मोहाल और फीलखाना पुलिस ने विजय से पूछताछ की। हालांकि उन्हें ज्यादा कुछ हाथ नहीं लगा।

सपा नेता की पत्नी से सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास

मेरठ। लिसाड़ी गेट की जाकिर कालोनी निवासी सपा नेता की पत्नी से मोहल्ले के दो लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास किया। लोगों ने बदनामी की बात कहकर सपा नेता को चुप करा दिया। इधर, शिकायत करने की बात कहने पर गुरुवार को दोनों आरोपी तमंचे लेकर पीड़ित को दौड़ा लिया। सपा नेता ने एसएसपी से शिकायत करते हुए लिसाड़ी गेट थाने में तहरीर दी है।

जाकिर कालोनी में रहने वाले सपा नेता ने लिसाड़ी गेट थाने में तहरीर दी कि 25 जुलाई को वह अपने गोदाम पर गया था। घर पर उसकी पत्नी अकेली थी। आरोप है कि मोहल्ले के रहने वाले मईनुद्दीन और अलाउद्दीन तमंचे लेकर उसके घर में घुस गए। उसकी पत्नी से दुष्कर्म का प्रयास किया। कपड़े फाड़ दिए। महिला के शोर मचाने पर लोग पहुंचे तो आरोपी भाग गए। शाम को सपा नेता ने मोहल्ले के लोगों से

शिकायत की। लोगों की पंचायत हुई तो सभी ने सपा नेता से कहा गया कि शिकायत की तो मोहल्ले की बदनामी हो जाएगी। सपा नेता ने इसकी शिकायत करने की बात कही और घर आ गया। गुरुवार को सपा नेता अपने गोदाम के लिए निकला तो रास्ते में उसे मईनुद्दीन और अलाउद्दीन मिल गए। दोनों तमंचा लेकर उसे मारने दौड़ पड़े। सपा नेता ने घर में घुसकर जान बचाई। उसने एसएसपी से शिकायत करने के बाद लिसाड़ी गेट थाने में तहरीर दे दी। एसओ लिसाड़ी गेट ने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाश में दबिश दी, लेकिन वे फरार हैं।

61 लाख रुपये की शराब नष्ट

गया। उत्पाद विभाग ने 61 लाख रुपये की 20 हजार लीटर देशी और विदेशी शराब को नष्ट कर दिया। उत्पाद विभाग के गोदाम परिसर में जिलाधिकारी कुमार रवि और एसएसपी गरिमा मल्लिक की देखरेख में यह कार्रवाई की गई। डीएम ने कहा कि शराबबंदी के बाद चौथी बार शराब नष्ट की गई है। रेल थाना सहित जिले के 28 थानों में शराब जब्त की गई थी। डीएम ने कहा कि शराब जब्त करने का अभियान जारी रहेगा। पुलिस द्वारा शराब माफिया और शराब बनाने वालों पर कड़ी निगाह रखी जा रही है। शराब नष्ट करने का काम जीविका दीदियों द्वारा भी किया गया।

जीविका दीदियों का कहना था कि हर हाल में शराबबंदी पूरी तरह से लागू करनी है। जहां शराब बनती है या बिक्री होती है, जीविका दीदियों द्वारा सूचना देने पर पुलिस उसे जब्त कर रही है। प्रभारी उत्पाद आयुक्त विकास कुमार सिन्हा ने कहा कि शराब कोंच, चेरकी, बकिबाजार, रौशनगंज, मगध मेडिकल, डोभी, टनकुप्पा, इमामगंज, विष्णुपद, पंचानपुर ओपी, पाई बिगहा, अलीपुर, अलीपुर, रामपुर, रेल, बाराचट्टी सहित 28 थानों की पुलिस ने जब्त की थी।

सास-ससुर की पिटाई कर कमरे में किया बंद

मुजफ्फरपुर। मीनापुर थाना क्षेत्र के तुर्की दर्जी टोला में डेढ़ वर्ष के मासूम का शव मिलने के बाद देर रात्रि आक्रोशित ग्रामीणों व अलाउद्दीन के रिश्तेदारों ने मो. वाजुल, उनकी पत्नी नूरजहां और सबसे छोटे पुत्र साहिल को मारपीट कर एक कमरे में बंद कर दिया। वाजुल अपनी सुरक्षा को पुलिस का इंतजार कर रहा है। गुरुवार को सुबह से ही लोग तीनों को कमरे में बंद कर पुलिस के पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। शाम 6 बजे तक पुलिस नहीं पहुंची थी।

बताते चलें कि मो. वाजुल को 6 पुत्र है जिसमें चार की शादी हो चुकी है। सबसे बड़ा अलाउद्दीन, सलाउद्दीन, जलाउद्दीन, सद्दाम

के बाद अविवाहित जीवरील और साहिल हैं। अलाउद्दीन और सलाउद्दीन अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहता है। शेष चार भाई माता पिता के साथ रहते हैं। सभी टेलरिंग का काम करते हैं। घर भर मात्र जमीन है। मजदूरी और दर्जी का काम कर सभी अपना गुजर बसर करते हैं। अलाउद्दीन की पत्नी नगीना खातून और सलाउद्दीन की बीबी शहानी खातून बात- बात में लड़ती रहती थी। दो दिन पहले दोनों में जमकर झगड़ा हुआ था। शहानी ने नगीना को देख लेने की धमकी दी दी। बुधवार की करीब 9 बजे सुबह में घर के दरवाजे पर डेढ़ साल का नगीना का पुत्र शहजादे अपनी 6 वर्षीय बहन नसरीन के साथ नीम के पेड़ के पास खेल रहा था। तभी शाहनी चुपके से शहजादे को बिस्कुट खिलाकर अपने घर में ले गई और गला दबाकर उसी हत्या कर दी और एक बक्से में छिपाकर घर के एक कोने में रख दी।

Mystery से भरी इस जगह में दफन है अरबों का खजाना

दुनिया की बहुत सी जगहों से रहस्मयी कहानियां जुड़ी हुई है। प्राचीन समय में बने हुई इमारतों को लेकर बहुत सी बातें सुनने को मिलती है। आज हम बात कर रहें है हरियाणा में स्थित बावड़ी की। मुगलकाल में बनी इस बावड़ी को 'चोरों की बावड़ी' भी कहा जाता है। लोगों का कहना है कि इस बावड़ी में सुरंगो का जाल बना हुआ है जेकि दिल्ली, हिसार और लाहौर तक जाता है। इसके अलावा लोगों का मानना है कि यहां पर आरबों के खजाने को दफन किया गया है। तो आइए इसके बारे में कुछ और रहस्मयी बातों को जानते है।

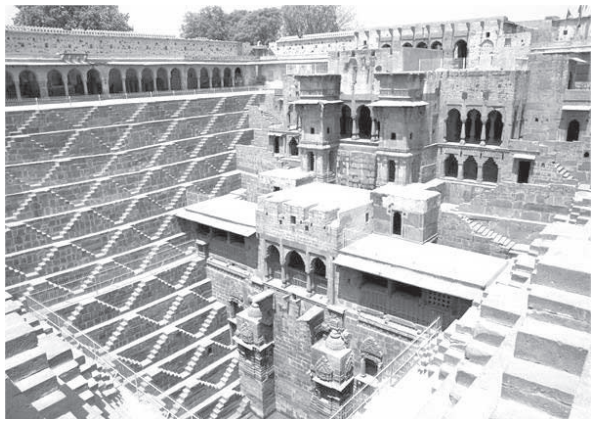

1. सुरंगों का जाल

मुगल काल में बनी इस बावड़ी का निर्माण 1658-59 में शाहजहां ने करवाया था। इस बावड़ी में बने कुएं में जाने के लिए 101 सीढ़ियों से निचे उतरना पड़ता है। कुएं के उपर लगे हुए एक पत्थर पर फारसी भाषा में स्वर्ग का झरना लिखा हुआ है। शाहजहां ने मुसाफिरों के आराम के लिए यहां पर कई कमरों का भी निर्माण करवाया था। ऐसा भी कहा जाता है कि रजबाड़ो की लड़ाई के समय राजाओं की सेनाएं यहां पर विश्राम करती थी।

2. अरबों का खजाना

कहा जाता है कि ज्ञानी चोर धनवानों का लूटने के बाद इस बावड़ी में छलांग लगाकर गायब हो जाता था। लोगों का मानना है कि ज्ञानी चोर का अरबों का खजाना यहीं दफन है। पुलिस से बचने के लिए वो यहीं पर आकर छुपता था और उनके जाने के बाद वो पिर से निकल आता था। परन्तु इतहासकारों इस ज्ञानी चोर की कहानी को नहीं मानते। इतिहासकारों कहना है कि उस समय पानी की जरुरत को पूरा करने के लिए इस तरह की बावड़ियों का निर्माण किया जाता था।

3. लोगों की मौत

इस खाजाने की खोज में जाने वाले लोग आज तक लौट वापस नहीं आएं। लोगों कि मान्यताओं को ध्यान में रख कर सरकार मे इसकी खोज फिर से शुरू कर दी थी लेकिन बहुत ढूढ़ने के बावजूद भी उन्हें यहां पर कुछ नहीं मिला।

4. गायब हो गई बारात

यह बावड़ी जमीन में कई फुट नीचे तक बनी हुई है और इसमें कई सुरंगे भी बनी हुई है। अंग्रेजों के समय में एक बारात सुरंगों के रास्ते दिल्ली जाना चाहती थी। पर कई दिन बीतने के बाद भी सुरंग में उतरे बाराती न तो दिल्ली पहुंच पाए और न ही वापस निकले। इस घटना के बाद अग्रेजों ने इस बावड़ी को बंद कर दिया था और यह अभी तक बंद है।

5. सही देखभाल

सही देखभाल न मिलने के कारण इस बावड़ी के बुर्ज व मंडेर गिर चुके है और कुएं का पानी काला पड़ चुका है। इसके अलावा इस बावड़ी की एक दिवार भी गिर चुकी है और दूसरी गिरने वाली है। लोहे के दरवाजे जाम हो चुके हैं। पुरातत्व विभाग के अंतर्गत होने के बावजूद भी इस बावड़ी की ठीक से देखभाल नहीं की जा रही है।

झील के पानी से घिरा यह किला, 22 तोपों से मिलती है सुरक्षा

भारत को प्राचीन किलों की देश कहा जाता है। भारत में कई ऐसे प्राचीन किले है जो अपनी खासियत के लिए टूरिस्टों की खास पसंद रहे है। आज हम एक ऐसे ही किले के बारे में बात करने जा रहे है। यह किली कहीं और नहीं बल्कि महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मुरुद गांव में स्थित है, जिसका नाम मुरुद-जंजीरा फोर्ट है। लगभग 22 एकड़ में फैले इस किले का निर्माण 22 वर्षों में हुआ था। इस किले का बार में कहा जाता है कि ब्रिटिश और पुर्तगालियों और मराठा शासकों ने इसे जीतने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह अपने इस मकसद में पूरा नहीं हो पाया। कहा जाता है कि इस किले में अभी भी सिद्दीकी शासकों की कई तोपें अभी पड़ी है। भारत के पश्चिम का 350 वर्ष पुराना यह एकमात्र किला है, जिसको आजतक कोई हासिल नहीं कर पाया। इस किले की सबसे बड़ी खासियत है कि यह समुद्र के बीच बना है और चारों ओर पानी खारे पानी से घिरा है। समुद्री तल से लगभग 90 फीट ऊंचे किले में शाह बाबा का मकबरा भी मौजूद है। इतिहास में इस किले को जंजीरा के सिद्दीकियों की राजधानी कहा जाता है। इस किले की सुरक्षा के लिए 22 तोपें तैनात की गई है। किले के चारों तरफ खारे झील के पानी का रहस्य आज तक कोई मालूम नहीं कर पाया।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
शत्रु भय रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। उन्नति होगी। भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धनार्जन होगा।

सिंह
धनहानि संभव है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

धनु
नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृष
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से क्लेश होगा।

कन्या
रोजगार मिलेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। अस्वस्थता संभव है।

मकर
विवाद से बचें। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी।

मिथुन
जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में सावधानी रखें। परिश्रम अधिक होगा। जोखिम न लें।

तुला
व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। झंझटों में न पड़ें। जोखिम व जमानत के कार्य न करें।

कुंभ
वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कर्क
यात्रा सफल रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा।

वृश्चिक
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अज्ञात भय सताएगा। विवाद न करें।

मीन
शत्रु भय रहेगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। घर-परिवार की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

जिम में नंगे पांव घूमना पड़ा इस शख्स को महंगा

कई लोगों में नंगे पांव घूमने की आदत होती है। कई बार आपने भी जिम में लोगों को नंगे पांव ही वर्कआउट करते देखा होगा। ऐसी ही आदत इस शख्स को महंगी पड़ गई। इस शख्स ने अपनी कहानी सोशल साइट पर शेयर की है लेकिन अपनी पहचान जाहिर नहीं की है। तस्वीरें आपको विचलित कर सकती हैं....

इस शख्स ने दूसरे लोगों को सीख देने के लिए अपनी स्टोरी शेयर की है। एक रेडियो शो के जरिए उसने बताया कि उसे जिम में नंगे पांव रहना नॉर्मल लगता था। वर्कआउट के बाद वो वहीं नहा भी लेता था। इसके लिए ज्यादातर वो अपनी चप्पलें ले जाता था, लेकिन जब उन्हें भूल जाता, तो नंगे पांव ही बाथरूम में नहा लिया करता था। लेकिन अचानक एक दिन, उसके पैर के निचले भाग में काफी खुजली होने लगी।

छूने पर वहां का हिस्सा उसे थोड़ा अलग लगा। कुछ समय बाद ही उसे समझ आ गया कि उसके पैर में इन्फेक्शन हुआ है। 6 महीनों तक उसने डॉक्टर के पास जाने की जगह घरेलू इलाज किया। लेकिन इससे हालात और बिगड़ गए। उसके पैर में 5 गहरे घाव हो गए थे। उसका पांव सूज गया था। साथ ही उसमें काफी दर्द हो हो रहा था। वो चल नहीं पा रहा था। डॉक्टर्स ने बताया कि जिम में नंगे पांव नहाने की वजह से उसे इन्फेक्शन हो गया था।

फ्लोर पर रहते हैं कई तरह के बैक्टीरिया

दरअसल, पब्लिक प्लेस पर कई साफ-सफाई काफी कम ही हो पाती है। ऐसे में फ्लोर पर कई तरह के कीटाणु मौजूद रहते हैं। डॉक्टर्स लोगों को सलाह देते हैं कि उन्हें ना सिर्फ बाहर, बल्कि घर के अंदर भी नंगे पैर पहना अवॉयड करना चाहिए। ऐसा ना करने पर आपको भी इन्फेक्शन हो सकता है। खासकर पब्लिक टॉयलेट्स के इस्तेमाल में तो खास सावधानी बरतने की जरूरत होती है। वरना परिणाम काफी गंभीर हो जाते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सावधान! सिगरेट से भी खरतनाक है मारिजुआना ड्रग

स्मोकिंग सेहत के लिए हानिकारक है, कुछ कम उम्र के लोग इस नशे की दलदल में धंसते ही चले जाते हैं। जिसका गलत असर उनकी जिंदगी में बढ़ता ही जाता है और दिनों-दिन इंसान को अपने घेरे में ले लेता है। स्मोकिंग के अलावा आजकल के युवा मारिजुआना ड्रग की बुरी लत का भी शिकार हो रहे हैं जो उनको शारीरिक से साथ-साथ मानसिक रूप से भी नुकसान पहुंचा रहा है।

क्या है मारिजुआना

मारिजुआना को लोग भांग,गांजा,डोप और न जाने कौन-कौन से नामों से जानते हैं। यह नशीला पदार्थ युवाओं की जिंदगी को पूरी तरह से बर्बाद करने में लगा हुआ है। लोग इसका इस्तेमाल कई तरीको से करते हैं और कहा जाता है कि यह दवाइयों में भी प्रयोग होता है लेकिन यह कहना मुश्किल होगा कि यह बीमार लोगो के लिए लाभदायक है या नहीं। इसका लगातार लंबे समय तक ड्रग का तरह इस्तेमाल करने से इंसान मानसिक तौर पर बुरी तरह से बीमार पड़ सकता है।

मस्तिष्क पर मारिजुआना का प्रभाव

हाल ही में अमरीका में मारिजुआना को लेकर युवाओं पर लंबे समय तक शोध करने पर यह बात सामने आई की इसके सेवन से मस्तिष्क के आकार में तेजी से बदलाव आता है। जिससे तनाव और पढ़ाई को लेकर दिमाग में तरह-तरह के अवसाद पैदा होने शुरू हो जाते हैं। इसके अलावा दूसरे लोगों के साथ असामाजिक व्यवहार और आर्थिक तंगी इसी के वजह से बढ़ती जाती हैं।

इसके हैं कई नुकसान

मारिजुआना इंसान के सोचने-समझने की शक्ति को धीरे-धीरे खत्म करता जाता है। यह परेशानी तब तक बढ़ती जाती है,जब तक इंसान इसका आदी रहता है। इसमें सिगरेट से पांच गुणा ज्यादा मोनो-ऑक्साइड और दो गुणा ज्यादा तार की मात्रा होती है जो फेफड़ों को खराब करके कैंसर के खतरे को भी बढ़ाता है। इसके साथ ही यह दिल पर भी बुरा असर डालता है। इसके सेवन से धडकने बढ़ना, सिरदर्द,बेचैनी,कब्ज,यूरिन की दिक्कत ,आंखे लाल होना जैसी और भी कई सेहत संबंधी परेशानियां होनी शुरू हो जाती हैं।

युवाओं की जिंदगी को खतरा

हर युवा चाहता है कि वह तरक्की की राह पर चले,पढ़े और तरक्की करे। लेकिन जब वह मारिजुआना जैसे नशे की लत में पड़ जाता है तो चाह कर भी अपनी जिंदगी में आगे नहीं बढ पाता। यह पदार्थ दिमाग पर इतना खतरनाक असर डालता है कि पढ़ाई और सोचने-समझने की क्षमता कम होने लगती है। इस शोध में कहा गया है कि युवाओं को छोटी उम्र में यह महत्वपूर्ण लगने लगता है लेकिन शिक्षा,सामाजिर और आर्थिक जीवन पर यह बुरा प्रभाव डालता है, जिसे जिंदगी खत्म होने लगती है।

इन घरेलू तरीकों से करें लकवा ग्रस्त मरीज की देखभाल

लकवा यानी पैरालिसिस अटैक या स्ट्रोक भी कहते है। इसमें व्यक्ति चलने फिरने और लकवा ग्रसक्त अंग महसूस करने की शक्ति खो देता है। दरअसल, जब हमारे शरीर का कोई भी अंग या शरीर की कोई भी मांसपेशियां काम करना बंद कर देती है तो उसे लवा कहा जाता है। कई लोग ऐसे है, जो लकवा ग्रस्त होने के बाद जिंदगी की असली मजा नहीं ले पाते । वैसे तो डॉक्टर्स के द्वारा इसका ट्रीटमेंट चले तो अच्छा है लेकिन इस बीमारी में घरेलू तरीके भी बहुत काम आ सकते है। अगर आपके घर में या कोई आसपास ऐसा लकवा ग्रस्त है तो आप इन घरेलू तरीके से उनकी मदद कर सकते है।

लकवा के लक्षण

- सिर दर्द होना, चक्कर आना
- शरीर में अकड़न और शरीर के किसी भी अंग काम न करना
- शरीर का कोई भी अंग सुन पड़ जाना
- हाथ-पैर उठाने में दिक्कत
- धुंधला दिखाई देना

लकवा का घरेलू इलाज

1. शहद

2 चम्मच शहद में लहसुन 5 कलियां पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। फिर इस पेस्ट का ढ़ेड महीना लगातार सेवन करें। इससे लकवा ग्रस्त मरीज को आराम मिलेगा।

2. कलौंजी तेल

लकवा ग्रस्त अंग को कलौंजी के गुनगुने तेल से मालिश करें। इसके अलावा दिन में 2-3 बार तेल का सेवन भी करें लेकिन इस उपचार को अपनाने से पहले एक बार अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

3. सौंठ और उड़द

रोज सौंठ और उड़द को पानी में उबाल लें। फिर इसका पानी छानकर पिएं। हर रोज इसका नुस्खे को अपनाने से लकवे से काफी आराम मिलेगा।

4. अदरक और सरसो तेल

5 ग्राम बारीक पीसी अदरक, 10 ग्राम उड़द दाल और 50ग्राम सरसो का तेल डालकर गर्म करें। फिर इसमें 2 ग्राम कपूर का चूरा डाल दें। इस पेस्ट से मालिश करने से गठिया और लकवा ग्रस्त अंग दोनों ठीक हो जाएगे।

5. छुहारा

दूध में छुहारा भिगोकर खाने से लकवे में फायदा मिलता है। ध्यान रखें कि 4 से ज्यादा छुवारे न खाएं।

मुंह की दुर्गंध कर रही है शर्मिंदा तो अपनाएं ये असरदार तरीके

मुंह से आने वाली अजीब सी बदबू अक्सर कुछ लोगों की शर्मिंदी का कारण बनती है। मुंह की दुर्गंध से अक्सर आस-पास बैठे व्यक्तियों को भी परेशान रहना पड़ता है। मुंह में दुर्गंध बैक्टीरिया जमने से होती है , जिससे मुंह से सल्फर जैसी अजीब बदबू आने लगती है। वैसे तो मुंह की दुर्गंध दूर करने के लिए मार्कीट से कई दवाईया या मॉउथ फ्रैशनर मिलते है, जो कुछ समय के लिए तो अपना असर दिखाते है लेकिन बाद में फिर से वहीं दिक्कत आन खड़ी होती है, जिनमें पैसा भी अच्छा-खासा खर्च हो जाता है। अगर आप भी मुंह की दुर्गंध से अक्सर मजाक का पात्र बने रहते है तो इन घरेलू तरीकों को आजमा कर देंखे। इससे काफी फायदा मिलेगा।

1. नींबू का रस

दिन में 2 बार नींबू का रस 1 गिलास गुनगुने पानी में मिलाकर कुल्ला करें। कुछ दिनों के लिए लगातार ऐसा करें। फिर देखें कैसे मुंह की दुर्गंध हमेशा के लिए गायब हो जाएगी।

2. नमक

नमक में सरसों का तेल मिलाकर दांतों और मसूड़ों की मालिश करें। इसके उपाय से काफी फायदा होता दिखाई देगा।

3. तुलसी

तुलसी और जामुन के पत्तों को चबाने से भी मुंह की दुर्गंध दूर होती है। इस नुस्खे को आप रोजाना इस्तेमाल कर सकते है। इससे दांतों से जुड़ी कई प्रॉबल्म भी दूर रहती है।

4. इलायची

दिन में 3 बार दो इलायची और मुलेठी चबाने से भी बदबू मिनटों में गायब हो जाती है।

5. ग्रीन टी

दिन में 2 बार ग्रीन टी पीने से मुंह की बदबू तो दूर होती ही है साथ ही मुंह की कई समस्याएं गायब हो जाती है।

कमर दर्द ने कर रखा है परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे!

कई बार घंटों लगातार बैठे रहने से कमर में दर्द होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा गलत लाइफस्टाइल और खान-पान में पोषक तत्वों की कमी से भी कमर दर्द की परेशानी होना आम बात है। इस दर्द के कारण बैठने-उठने में परेशानी और काम करने में भी दिक्कत आने लगती है। सही समय पर इसका इलाज न किया जाए तो यह दर्द बढ़ने लगता है। आज हम आपको कुछ घरेलू उपाय बताने जा रहे है जिसे अपनाकर आप दर्द से राहत पा सकते है।

कमर दर्द के घरेलू उपाय

अजवाइन

कमर में दर्द है तो एक छोटा चम्मच अजवाइन लेकर तवे पर सेंक लें। जब यह ठंड़ी हो जाए तो इसे धीरे-धीरे चबाते हुए निगलें। 7 दिन लगातार

इसका सेवन करने से दर्द से राहत मिलती है।

सिकाई

दर्द होने पर उस जगह पर पानी की सिकाई करें। ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो। इसके साथ ही बासी खाने से परहेज करें।

सैर भी जरूरी

सुबह सैर करने से कई हैल्थ प्रॉब्लम्स दूर होती है। कमर दर्द से बचने के लिए रोजाना सुबह 2 मील सैर जरूर करें।

सरसों का तेल

सरसों के तेल में लहसुन की तीन-चार कलियां डालकर गर्म कर लें और ठंडा होने पर इस तेल से कमर की मालिश करें।

कैल्शियम

कैल्शियम का कमी भी कमर में दर्द होने लगता है। ऐसे में अपनी डाइट में कैल्शियम युक्त आहार को शामिल करें।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, शनिवार
29 जुलाई, 2017

महिला टीम की खिलाड़ियों से मिले प्रधानमंत्री

कहा-बेटियों ने देश का मान बढ़ाया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को महिला क्रिकेट टीम और उसके सहयोगी स्टाफ से मुलाकात की। महिला टीम विश्व कप फाइनल खेलकर स्वदेश लौटी है। टीम को खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड के हाथों 9 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा था। मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने महिला टीम का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि वह हारी नहीं हैं। 125 करोड़ भारतीयों ने उनकी हार को अपने कंधों पर उठा लिया है जो उनकी सबसे बड़ी जीत है। इस अवसर पर महिला खिलाड़ियों ने अपने हस्ताक्षर वाला एक बल्ला पीएम मोदी को भेंट किया।

पीएम ने फाइनल से पहले किए थे कई ट्वीट

पीएम मोदी ने फाइनल मैच से पहले भी टीम और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कई ट्वीट किए थे। उन्होंने मैच के बाद भी टीम के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए तुरंत ट्वीट किया था। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार इस मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों ने कहा कि उन्होंने पहली बार महिला क्रिकेट टीम के लिए प्रधानमंत्री की ट्वीट देखी। पीएमओ के बयान के मुताबिक उन्होंने कहा कि उन्हें यह बात जानकर गर्व और खुशी होने के अलावा प्रेरणा मिली कि प्रधानमंत्री उनके खेल पर नजर लगाए हुए हैं।

योग से दिमाग को संतुलित करने में मिलती है मदद

खिलाड़ियों ने पीएम से पूछा कि वह दबाव के बीच काम कैसे करते हैं? इस पर उन्होंने जवाब दिया कि वह योग करते हैं, जिससे उन्हें दिमाग, शरीर और काम के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। योग से तनाव को दूर रखने में भी मदद मिलती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की बेटियों ने कई अंतरराष्ट्रीय खेल स्पधाओं में देश को गौरवान्वित किया है और समाज को महिलाओं की विभिन्न क्षेत्रों में मिलने वाली प्रगति से फायदा मिल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का आईपीएल नीलामी मामले में बोर्ड को नोटिस

नई दिल्ली। सर्वोच्च अदालत ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को इंडियन प्रीमियर लीग के 11वें संस्करण में मीडिया अधिकारों की ई-नीलामी मामले में सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर नोटिस जारी किया। स्वामी ने अदालत में याचिका दी थी कि इंडियन प्रीमियर लीग टी 20 टूनार्मेंट के 11 वें संस्करण के लिए करोड़ों रूपए के मीडिया अधिकार मामले में नीलामी के लिए जो प्रक्रिया अपनाई गई है वह पारदर्शी होनी चाहिए। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेता स्वामी मीडिया अधिकारों के लिए ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया की पैरवी कर रहे हैं। हालांकि बीसीसीआई ने दलील दी है कि मीडिया अधिकारों के लिए ई नीलामी की प्रक्रिया नहीं अपनाई जा सकती है। बोर्ड ने साथ ही अपने पक्ष में कहा कि प्रशासकों की समिति (सीओए) ने नीलामी प्रक्रिया को अपनी हरी झंडी दे दी है और अगले सत्र के लिए इस प्रक्रिया को शुरू भी कर दिया गया है, लेकिन शीर्ष अदालत ने कहा कि वह बीसीसीआई की मौजूदा प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक नहीं लगा रही है और केवल इस मामले में बोर्ड को नोटिस ही जारी किया गया है। इस मामले पर अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी।

उच्च न्यायालय ने मांगा जवाब

चित्रा को नेशनल टीम क्यों नहीं रखा

केरल उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से राज्य की स्टार एथलीट पी. यू. चित्रा को विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए भारतीय दल में शामिल न करने पर सफाई मांगी है। उल्लेखनीय है कि अगले माह आयोजित होने वाले विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए चित्रा ने क्वालीफाई किया था। अदालत ने चित्रा के कोच एन. एस. सिजिन की ओर से दायर की गई याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा है कि अगर केंद्र के पास इस प्रकार के मामलों में हस्तक्षेप करने के अधिकार हैं, तो इसके नियमों में प्रासंगिक प्रावधान को विस्तार से बताया जाए। अदालत ने केंद्र से विभिन्न खेल संगठनों के धन के स्त्रोत की व्याख्या करने के लिए भी कहा है।

इस सप्ताह की शुरूआत में केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने चित्रा को टीम से बाहर किए जाने की प्रक्रिया पर निराशा जताते हुए केंद्र को पत्र भी लिखा था। विजयन ने इस बात की भी जानकारी दी कि राज्य सरकार चित्रा की मदद के लिए हर कोशिश करेगी, क्योंकि वह आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं। केरल के पल्लकड़ की रहने वाली चित्रा के माता-पिता खेतों में दिहाड़ी पर काम करने वाले मजदूर हैं। चित्रा के माता-पिता को गुरुवार को भी मजदूरी करते देखा गया था और वे दोनों इस मामले से अनजान हैं। लंबी दूरी की धाविका चित्रा ने 2014 में रांची में हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता से लोकप्रियता हासिल की थी। इसके बाद से ही उन्होंने कई उपलब्धियां हासिल कीं। चित्रा ने दक्षिण एशियाई खेलों और इस साल भुवनेश्वर में आयोजित हुए 22वें एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप-2017 में स्वर्ण पदक जीता था।

अश्विन ने तोड़ा रिचर्ड हेडली का 36 साल पुराना रिकॉर्ड

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने एक शानदार रिकॉर्ड अपने नाम किया है। भारतीय दृष्टिकोण से मजबूत स्थिति में पहुंच चुका गाले टेस्ट अश्विन के करियर का 50वां टेस्ट है। दूसरे दिन भारत के रविचंद्रन अश्विन ने मैदान पर एंट्री करते ही न्यू जीलैंड के महान गेंदबाज सर रिचर्ड हेडली का 50 टेस्ट के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने का 36 वर्ष पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। अश्विन ने पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में श्रीलंकाई विकेट कीपर निरोशन डिक्वेला को आउट कर एक विकेट झटका है। कुल मिलाकर अब अश्विन के टेस्ट करियर में 276 विकेट हो गए हैं। वहीं इसी अवधि में न्यूजीलैंड के हेडली ने 262 विकेट लिए थे। इसके अलावा भारती ने काफी कमाल का प्रदर्शन किया है।

पाक क्रिकेट बोर्ड को बड़ा झटका

श्रीलंका ने टीम भेजने से किया इंकार

नई दिल्ली। आतंकवाद के मसले पर पूरी दुनिया में अलग-थलग पड़े पाकिस्तान को क्रिकेट में करारा झटका लगा है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने लाहौर में अक्तूबर में दो टी- 20 मैच खेलने का पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का निमंत्रण ठुकरा दिया है। पीसीबी अध्यक्षशहरयार खान ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा है

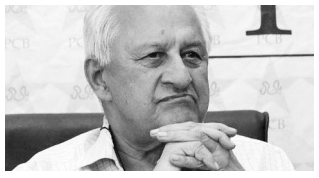

कि इस सप्ताह की शुरूआत में लाहौर में आत्मघाती बम हमले के बाद श्रीलंकाई क्रिकेट अधिकारियों ने अपनी टीम भेजने से इनकार कर दिया।

'आतंकी हमले तो पूरी दुनिया में हो रहे हैं': शहरयार खान ने कहा, मैंने श्रीलंका क्रिकेट अधिकारियों से आईसीसी बैठकों के दौरान बात की। मैंने उन्हें लाहौर में दो टी-20 मैच खेलने के लिये आने का न्यौता दिया था और कहा था इसके बाद के मैच यूएई में खेले जायेंगे। उन्होंने कहा कि श्रीलंका क्रिकेट अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वे सरकार से बात करके मंजूरी लेने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, मैं श्रीलंका के इनकार से हैरान हूं क्योंकि आतंकी हमले दुनिया में हर जगह हो रहे हैं लेकिन खेल नहीं रूकता। सिर्फ पाकिस्तान को सुरक्षा कारणों से अलग करना गलत है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पार्टिशनः 1947' का इरादा लोगों को एकजुट करना : हुमा कुरैशी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी पार्टिशन : 1947 की आलोचना से निराश नहीं हैं। उनका कहना है कि यह फिल्म विभाजन के लिए नहीं, बल्कि लोगों को एकजुट करने के इरादे से बनाई गई है। उन्होंने बुधवार को फिल्म की आलोचना पर मीडिया से कहा, विभाजन बहुत संवेदनशील विषय है। इस पर लोगों की मजबूत प्रतिक्रिया होगी। यह फिल्म शांति और मानवता पर आधारित है। यह लोगों को विभाजित करने के बजाय एकजुट करने के इरादे से बनाई गई है। कुछ लोग कुछ कहना चाहते हैं, यह उनकी पसंद है। भारत के बाहर यह फिल्म वाइसरायज हाउस के रूप में जारी हुई। यह भारत के विभाजन पर आधारित है। फिल्म में हुमा कुरैशी, मनीष दयाल, दिवंगत ओम पुरी, डेंजिल स्मिथ, हग बोनेविल और गिलियन एंडरसन जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। इसमें पाकिस्तानी लेखिका फातिमा भुट्टो, प्रधानमंत्री जुल्फिकर अली भुट्टो की पोती और पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की भतीजी की सबसे मजबूत प्रतिक्रिया थी। द गार्जियन की समीक्षा में फातिमा ने इस फिल्म की इसलिए निंदा की थी कि इसमें जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी और मोहम्मद अली जिन्ना जैसे प्रमुख नेताओं का अपमान किया गया है। उनका कहना है कि इसमें मुसलमानों की बुरी तस्वीर चित्रित की गई है। यह फिल्म भारत में 18 अगस्त को रिलीज होगी।

श्रुति हसन नजर आई कुछ इस हॉट अंदाज में...

बॉलीवुड एक्ट्रैस श्रुति हसन फिल्म रागदेश का प्रीमियर अटेंड करने पहुंची थी। इस दौरान वह हॉट ड्रैस में नजर आई। श्रुति ने तमिल और तेलगु फिल्मों में भी काम किया है। फिल्हाल तो वे हिंदी सिनेमा से दूर हैं लेकिन तब तक के लिए उनके फैंस उनकी इन तस्वीरों का आनंद ले सकते हैं।

जग्गा जासूस की असफलता से हताश नही हैं अनुराग

बॉलीवुड निर्देशक अनुराग बसु का कहना है कि वह फिल्म ह्यजग्गा जासूसह्न की असफलता से हताश नही हैं। अनुराग के निर्देशन में बनी फिल्म जग्गा जासूस में रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ ने मुख्य भूमिका निभायी थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों की उम्मीदों पर उस तरह खरी नहीं उतरी है जिस तरह की आशा उससे की गई थी। अनुराग ने ट्विटर पर कहा, जग्गा जासूस की प्रशंसा और इससे प्यार करने के लिए धन्यवाद। यह मेरे लिए ऑक्सीजन की तरह है, सभी को प्यार। जिन्हें फिल्म पसंद नहीं आई उन्हें भी प्यार क्योंकि आपकी अस्वीकृति ने मेरे आगे का मार्ग खोला है और मैं वादा करता हूं कि मैं आपको निराश नहीं करूंगा।

अक्षय कुमार की फिल्म के सेट से चोरी हुआ इस एक्टर का सामान

फिल्म शूटिंग के दौरान किसी ना किसी कारण फिल्म सैट पर से सामान चोरी हो जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ कुणाल कपूर के साथ जब वह अक्षय कुमार की फिल्म गोल्ड के सेट पर मौजूद थे। खबरों की मानें तो दिन का शूटिंग शेड्यूल खत्म होने के बाद कुणाल को पता लगा कि उनका वॉलेट चोरी हो गया है। इसमें कुछ कैश और क्रेडिट कार्ड भी थे। जब यूनिट के लोगों को इस बात का पता लगा तो सभी ने उनकी मदद की। वहीं कुछ ही दिन में उनकी वाइफ नैना बच्चन भी ब्रैडफोर्ड में हो रही शूटिंग पर पहुंच गई। वैसे इस खबर पर कुणाल कपूर या उनके स्पोक्सपर्सन की ओर से अभी तक कोई रिएक्शन नहीं आया है। बता दें कि कुणाल भी गोल्ड में एक अहम रोल कर रहे हैं। वहीं कुणाल अब गोल्ड का एक शेड्यूल निपटाकर वापस इंडिया लौट आए हैं।